॥ श्री ॥

हेन्दी प्रायमर अने हिन्दी शिक्षा-वली भाग १ लाना गुजराती अर्थ

(तरजुमा सह).

हिन्दी शब्द अने धातु रूपावली साथे).

रची छपावी प्रसिद्ध करनार,

मणिलाल मूळजीभाई उपाध्याय.

बुकसेलर—पेटलाद.

सन १९१६ संवत् १९७२

प्रत २०००. आवृत्ति बीजी.

श्री "सत्यनारायण" प्रिन्टिंग प्रेसमां पटेल मोतीलाल कालीदासे छाप्या. पानाभाईनी वाडीमां—अमदावाद.

किंमत रू. ०—२—६.

॥ श्री ॥

हिन्दी प्रायमर अने हिन्दी शिक्षावली भाग १ लाना गुजराती अर्थ

(तरजुमा सह).

(हिन्दी शब्द अने धातु रूपावली साथे).

रची छपावी प्रसिद्ध करनार,
मणिलाल मूळजीभाई उपाध्याय.
बुकसेलर–पेटलाद.

सन १९१६. संवत १९७२.
प्रत २०००. आवृत्ति बीजी.

श्री "सत्यनारायण" प्रिन्टिंग प्रेसमां पटेल मोतीलाल काळीदासे छाप्या. पानाभाईनी वाडीमां–अमदावाद.

किंमत रू. ०–३–६.

पहेली आवृत्तिनी प्रस्तावना.

वडोदरा राज्यना केळवणी खाताए वडोदरा राज्यनी शाळाओमां उपला धोरणोमां हिन्दी भाषा शिखववानी शरुआत कराववाथी दरेक शाळामां हिन्दी प्राइमर, हिन्दी शिक्षावली भाग पहेलो तथा हिन्दी शिक्षावली भाग बीजो चलाववामां आवे छे. हिन्दी भाषाथी अपरिचित बाळकोने ए पुस्तको शीखववामां वधारे अनुकूळता थाय ए हेतुथी तेना गुजराती मीनींगनी जरुर छे एम जाणी ते तैयार करवामां आव्या छे.

हिन्दी भाषानी लिपि बालबोध–नागरी छे अने तेथी ते लिपिनो सारो परिचय थाय ए हेतुथी आ मीनींगमां बालबोध लिपिज वापरवामां आवी छे.

आशा छे के, आ मीनींग हिन्दी भाषा शिखनार विद्यार्थीओने तथा शिक्षकोने अनुक्रमे पोतानो अभ्यास करवामां तथा शिक्षण आपवामां कांइक मददकर्ता थइ पडशे तो एने माटे करेलो प्रयास सफळ थयेलो जाणी मने आनंद थशे.

बीजी आवृत्तिनी प्रस्तावना.

मने जणाववाने आनंद थाय छे के आ उपयोगी पुस्तकनी पहेली आवृत्ति टुंक समयमां खपी जवाथी आ बीजी आवृत्ति बहार पाडवानी जरुर पडी छे. आशा छे के प्रथम आवृत्ति माफक आ आवृत्ति पण तेटलीज उपयोगी थइ पडशे.

ता. ५–७–१९१६. पेटलाद. } मणिलाल मूळजीभाइ उपाध्याय.

॥ श्री ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

हिन्दी प्रायमरना गुजराती अर्थ.

अनार=दाडम	खरगोश=ससलुं	दवात=खडीयो
आदमी=माणस	गदहा=गधेडुं	नरियल=नारियेळ
इमली=आमली	घड़ी=घडीआळ	पंडुख=कबुतर
ईख=शेरडी	चमगादर=चामाचीडीयुं	फव्वारा=फुवारो
उल्लू=घूअड		भी=पण
एला=इलायची	छतरी=छत्री	मकड़ी=करोळीओ
ऐनक=चश्मा	जहाज़=वहाण	यहूदी=याहूदीलोक
ओखली=खांडणी	झमझर=घडो	रेलगाड़ी=आगगाडी
औरत=स्त्री	टट्टू=टट्टू; नानोघोडो	लंगूर=वांदरो
अंडा=इंडुं	ठठेरा=कंसारो	वनमानुष=उरागउटांग, वांदरो
खरोंकी=खरोनी	डलिया=टोपलो	
पहचान=ओळखाण	ढकना=ढांकणुं	शरीफा=सीताफल
ककड़ी=काकडी	थम=थांभलो	हरिण=हरण

---

१ कोइ कोइ क्ष, त्र, (अने) ज्ञ ने पण व्यंजन माने छे.
२ पण आ बे बे अक्षरोना मळवाथी बन्या छे.

३ एथी करीने आ मळेला--जोडेला अक्षरोनी साथे लखाशे (लखवामां आवशे.)

४ क, ख, ग, ज, ड, ढ, अने फ नी नीचे मींडुं मूकवाथी तेमना बोलवामां फेर पडी जाय छे.

५ शीखवनार आ वात छोकराओने सारी रीते समजावी आप.

बींदीवाले अक्षर=मींडांवाळा अक्षर.

व्यंजनोकी पहचान=व्यंजनोनी ओळखाण.

अक्षरोंका जोड़ना=अक्षरोनुं जोडाण.

---

(१)

अब=हमणां	इख=शेरडी	एब=एब, कुटेव
आग=देवता	उस=ते	ओस=झाकळ
इस=ए, आ	उख=शेरडी	और=अने

---

(२)

कल=काल	पढ़=भण	गढ़=दाट
हल=हळ	रख=राख	बड़=बड
चल=चाल	पर=उपर	मत=ना
झट=झट, तरत	डर=डर--बी	कर=कर
पट=लूगडुं	धर=धर	

૩

થન=સ્તન	કબ=ક્યારે	ગજ=હાથી, ગજ
રસ=રસ	નસ=નસ	ગલ=ગળું
વહ=તે	ફલ=ફળ	કહ=કહે
મન=મન	સચ=સાચું	બઢ=વધ
ચખ=ચાખ	ઘટ=જાડું	ભર=ભર; સુધી

૪

ઝપટ=ઝપાટો	નરમ=પોચું	ખટક=ખટકો, આંચ
લપટ=સારી સુગંધ	ગરમ=ઉન્હું	ભટક=ભટકવું [કો,
નહર=નહેર	મગર=મઘર	વહલ=વહેલ, ગમત
શરમ=લાજ	નમક=મીઠું	મહલ=મહેલ

૫

કરવટ=પાસું	પનઘટ=કુવા તળા- વનો કાંઠો	બરતન=વાસણ
સરપટ=દોડવું	બરગદ=વડ	થરથર=ધ્રજવું
ઝટપટ=ઉતાવળું	ખટમલ=માંકણ	રપટન=લીસી જગ્યા
શરબત=શરબત	હલચલ=હીલચાલ	ભરભર=ભરવું
મલમલ=ઝીણું લૂગડું	પલટન=પલટણ, ફોજ	કલકલ=કકળવું.

६

बस कर=बंध राख	छतपर चढ़=छत उपर चढ	सरपट मत चल=दोडतो ना चाल
घर चल=घेर चाल	झटपट उठ=जलदी उठ	महलपर रह=महेल उपर रहे
सचसच कह=साचे साचुं कहे	इसपर रख=आ उपर राख	पहर भर जग=पहोर सुधी जाग
हठ मत कर=हठ ना कर		

बारहखड़ी=बाराक्षरी.

१ अथवा व्यंजन अने स्वरोनो मेळाप.

२ व्यंजनोनी साथे मळवाथी स्वरोनुं स्वरूप बदलाइ जायछे.

३ जे अक्षरनुं जेवुं स्वरूप छे ते अहीं तेनी हेठे लखेलुं छे.

४ आ स्वरूपने मात्रा कहे छे.

५ स्वरोनो व्यंजनोनी साथे मेळाप.

६ पण उ नी मात्रा ज्यारे र मां लगाडवामां आवे छे त्यारे तेनुं रूप रु थइ गाय छे.

७ उ नी नीशानी र नी वचमां जोय छे. जेमके--

८ अक्षरनी उपर जे मींडु होय तेने अनुस्वार कहे छे.

९ अनुस्वारना बे रीते उच्चार थाय छे. एक पुरो, बीजा अनुनासिक साथे.

१० जेवी रीते कंठ अने हंसीमां अनुस्वारने माटे कोइ वखत ँ आवु चिन्ह अक्षरनी उपर बनावी दे छे.

११ कोइ अक्षरनी आगळ बे मींडांनी निशानीने विसर्ग कहे छे.

१२ विसर्गनुं काम हिन्दीमां बहु ओछुं पडे छे.

१३ जेवी रीते अमे उपर लख्युं छे तेज प्रमाणे बीजा व्यं-जनोमां पण स्वरोनी निशानी लगाडवामां आवे छे.

१४ मात्राओंका लगाना=निशानीओनु लगाडवुं.

---

(१)

कान=कान	दिल=मन	तुझ=तुं
काम=काम	दिन=दिवस	दूर=वेगळुं
छाल=छोडुं	चीज़=वस्तु	पुर=शहेर
छाप=सिक्को	चील=समडी	चूक=भूल
किस=कयो	भीड़=गरदी	चूर=मोहित थवुं,भूको
किन=कोण	तुम=तमे	चैत=चैत्र मास

(२)

सेठ=शेठ	चैन=आराम,मजाह	चोट=चोट, दाव
मेल=मेळ	कैद=केद	कौन=कोण
मेह=वरसाद	कैथ=कोठुं	कौर=कोळीयो
सेर=शहेर	मोल=किंमत	चौक=चोक

---

(३)

१ ऋ, ॠ अने ऌ आ स्वर संस्कृतमांज काम आवे छे.

२ पण नीचे लखेला शब्दोनुं काम कदी कदी हिन्दीमां पण पडे छे.

३ ज्यारे कोइ अक्षरमां ऋ नी मात्रा लगाडवामां आवे छे त्यारे तेनी निशानी एवी थइ जाय छे.

ऋण=देवुं कृपा=महेरबानी

४ स्वर और व्यंजनोंका मेल=स्वर अने व्यंजनोनो मेळाप.

---

(१)

बाबा=दादा	भीख=भीख	मेल=मेळ, संप
काका=काका	चुप=छानुं	बैल=बळद
माला=माळा	चूक=भूल	कैसा=केवो
काला=काळुं	दूर=वेगळुं	कोना=खूणो
किस=कयो	चूहा=उंदर	दोना=पडीओ
जिस=जे	चूना=चूनो	कौआ=कागडो
तिर=तीर	तेल=तेल	हौआ=हाउ

---

(२)

१ पुरा सानुनासिकने माटे पुरूं मींडुं अने अर्धाने माटे अर्धुं मींडुं काममां लेवामां आवे छे.

२ आ वात बाळकोने शीखवाडी देवी जोइए.

हँस=हसवुं
धँस=कळीजवुं
ढाँचा=ढीमणुं

साँचा=संचो
झंडा=झंडो

डंडा=डंडो, जाडी लाकडी

---

(३)

लालच=लालच
गोदना=घोचवुं
सुखाना=सुकावुं
धोबिन=धोबण
भेड़िया=वरू
सीखना=शीखवुं
मिळाप=मेळाप

पकाना=पकववुं
पढ़ना=भणवुं
वैरागी=वेरागी, साधु
तूतिया=एक औषधी
रिझाना=राजी करवुं

खिलाना=खवरावबुं
टोकरी=टोपली
पुड़िया=पडीकुं
कंगाल=गरीब
लीपना=लीपवुं
चिउँटी=कीडी

---

(४)

छेड़छाड=छंछेडवुं
टोपीवाला=अंग्रेज
भीड़भाड़=भीड
डुगडुगी=डांडी पीटवी; नगारी
झूटमूट=जूठं
रेलगाडी=आगगाडी

मारपीट=मारकूट
कामकाज=काम
चौकीदार=चोकीवाळा
दौड़धूप=दोडादोड
हेलमेल=हळीमळीने
दवात=खडीयो

चूहा=उंदर
गिलहरी=खीसकोली
कलम=कलम
बिल्ली=बिलाडी
लोमड़ी=लोंकडी
तसवीरें देखो=छबीओ जुओ

(१)

नाम पढ़ो=नाम-वांचो.	सच बोल=साचुं बोल	बीस आम=वीस केरी
फल खा=फळ खा	जूठी बात=जूठी वात	मीठा दूध=मीठुं दूध
पढ़ले=भणीले	कौन है=कोण छे	फूल तोड़=फूल तोड
मुँह खोल=मोढुं उघाड	चैन कर=मोज कर	नीला रंग=भुरो रंग

---

(२)

(१) फूल खीली रह्यां छे. (२) पक्षी बोली रह्युं छे.

(३) चोपडी भण्या=शीखवा करो.

(४) परोढीए उठ्या करो (उठो).

(५) तमारुं नाम बताओ. (६) वातो ना करो.

(७) मने केरी आपो. (८) हुं जीमूडुं आपीश.

(९) आ कोण आव्युं. (१०) त्यां क्यां गया.

---

(३)

(१) रघुवीर हजी सुधी सुता छे.

(२) ते दिवस सुधी (आखो दिवस) रमे छे.

(३) तेनी पासे ना जाओ.

(४) अमे कपडां पहेरी लीधां.

(५) आवो, भणवा चालीये. (६) वार ना करो.

(७) मळस्के उठवुं जोइए.

(८) उठीने मोढुं धोवुं जोइए.

(९) जूठुं कोइ वखत ना बोलो.

(१०) आवो, अमारी साथे चालो.

---

(४)

(१) मोर बोली रह्यो छे. (२) ए बागमां फर्या करे छे.

(३) ते बाग रामदासनो छे.

(४) माळी बागने पाणी पाइ रह्यो छे.

(५) आ कुवानुं पाणी खारुं छे.

(६) हुं मीठुं पाणी पीश.

(७) धूळपर ना आळोटो.

(८) आपणुं लूगडुं मेलुं न करवुं जोइए.

(९) हुं रोज सवारमां बागमां सहेल करूं छुं.

(१०) सूरज उगे घणी वार थइ.

(११) चालो, हवे घेर जइए.

(१२) हमणां पाठ मोढे करवो पडशे.

---

(५)

(१) पतंगीआंनी पाछळ ना दोडो.

(२) मा बापनुं कह्युं मानो.

(३) कोइने नठारी वात ना कहो.

(४) नठारा छोकराओनी साथे ना रमो.

(५) भणवा लखवामां मन लगाडो.

(६) कोइ वखत कोइनी साथे लडाइ ना करो.

(७) कोइने कोइ वखत गाळो ना दो.

(८) भाइबेननी साथे हेतथी बोलो.

(९) जे भणे छे ते सुख मेळवे छे.

(१०) निशाळेथी सीधा घेर आववुं जोइए.

(११) दोडशो ना, पडी जशो.

(१२) मळेला अक्षर.

(१३) अक्षर बे जातना होय छे. अेक कानावाळा; बीजा वगर कानावाळा.

(१४) पाई वाले=कानावाळा. बिना पाई वाले= बगर कानावाळा.

(१५) ज्यारे कानावाळा अक्षर आगला अक्षरोनी साथे मळे छे त्यारे तेओनो कानो चाल्यो जाय छे जेमके, सब्ज=लीलुं. कुप्पा=मोटवो.

(१६) पण ज्यारे वगर कानावाळा अक्षर आगला अक्षरानी साथे मळे छे त्यारे तेमनुं पहेलुं स्वरूप बहुधा कायम रहे छे. जेमके, लट्ठा=दंडो, जाडी लाकडी.

(१७) पण ज्यारे वगर कानाना अक्षर य नी साथे मळे छे त्यारे य नुं स्वरूप च थइ जाय छे. जेमके,

क्यारी=डांगेरना वावेतरनी जमीन.

(१८) र आगळथी पण मळे छे अने पाछळथी पण.

(१९) ज्यारे ते आगळथी मळे छे त्यारे ते आगळना अक्षरनी उपर चाल्यो जाय छे. जेमके,

बर्फ=बरफ, गर्द=धूळ.

(२०) अने र ज्यारे पाछळथी मळे छे त्यारे ते जेनाथी मळे छे तेनी नीचे चाल्यो जाय छे. जेमके,

यंत्र=संचो, प्राण=जीव.

(२१) क् ज्यारे ष मां मळे छे, त्यारे तेनुं स्वरूप क्ष थइ जाय छे. जेमके, क् + ष=क्ष, भिक्षा=भीख.

(२२) त् ज्यारे र मां मळे छे, त्यारे तेनुं स्वरूप त्र थइ जाय छे. जेमके, त् + र=त्र, खत्री=क्षत्री.

(२३) ज् ज्यारे ञ मां मळे छे, त्यारे तेनुं स्वरूप ज्ञ थइ जाय छे. जेमके, ज् + ञ=ज्ञ, ज्ञान=समजण.

दिनोंके नाम=दिवसोनां नाम.

(१) अठवाडीयामां सात वार होय छे, तेमनां नाम आ छे.

इतवार=रवीवार.	बुध=बुधवार.	शुक्रवार=शुक्रवार.
सोमवार=सोमवार.	बृहस्पत=गुरूवार.	शनीश्चर=शनिवार.
मंगल=मंगलवार.		

॥ श्री ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

हिन्दी शिक्षावली पहेला भागना

गुजराती अर्थ.

पाठ १. साधारण उपदेश=सामान्य बोध.

केवल=फक्त.
साथी है=सोबतीछे.
ही=ज.
मालिक का=धणीनुं.
मनसे=दिलथी.
तुम्हारे=तमारां.
उससे=तेनाथी.
कुछ=कंइ.
छिपा=छानुं.
वह=ते.

जिसमें=जेमां.
जल्द=जलदी.
उसे=तेने.
विना पूरा किये=
 पूरूं कर्या वगर.
संभालता है=सं-
 भाळे छे.
इस=आ.
पडोसियोंसे=पा-
 डोशीओ साथे.

मेल=संप.
और=अने.
बदन=शरीर.
साफ़=चोख्खुं,
 स्वच्छ.
कमाया हुआ=क-
 मायलुं.
नहीं ठहरता=र-
 हेतुं नथी.
वैसेही=तेज प्रमाणे.

(१) दुःखमां फक्त इश्वरज सोबती (बेली) छे.

(२) धणीनुं काम साचा दिलथी करो.

(३) तमारां सघळां कामोने इश्वर जुए छे; तेनाथी कंइ छानुं नथी.

(४) ते घर जल्दा मटी जाय छे जेमां टंटो थाय छे. (जे घरमा टंटो थाय छे ते घर जलदी नाश पामे छे.)

(५) सारा माणस जे काम करवा मांडे छे ते पूरुं कर्या वगर छोडता नथी.

(६) दुःखमां धीरजज माणसने संभाळे छे.

(७) विद्यानी बराबर आ संसारमां कोइ धन नथी.

(८) पाडोशीओ साथे संप राखो अने बधाने पोताना भाइ–बंधु बराबर मानो.

(९) शरीर चोख्खुं राखो, स्वच्छ छोकराओने बधा प्यार करे छे.

(१०) नठारां कामोथी कमायलुं धन रहेतुं नथी, जे प्रमाणे आवे छे तेज प्रमाणे जाय छे.

पाठ २. साधारण उपदेश=सामान्य बोध.

किसीको=कोइने	तुम्हारीसा=तमारा जेवो
मत=ना	जान=जीव
सताओ=दुःखदो	उसकी=तेनी

औरोंकी=बीजाओनी
लगा रहता है=मंडया रहे छे
वह=ते
कुढताहै=बळे छे
तुम्हे=तमने
सौंपा जाय=सोंपवामां आवे
सच्चाईसे=प्रमाणिकपणे
उन्हें=तेमने
धोखा=दगो
चुभजातीहै=पेशी जाय छे
इसमे=एमां
इसलिये=एथी करीने
उनपर=तेमना उपर
करनेमें=करवामां
कौनजाने=कोण जाणे
फिर=पछी
उसे=तेने.

(१) कोइने दुःख दो नहि, बधानो तमारा जेवो जीव छे.

(२) जे पोताना भरोसाथी काम करे छे, तेनी इश्वर सहायता-मदद करे छे.

(३) जे बीजाओनी भलाइमां मंडया रहेछे, ते सुखी रहेछे.

(४) जे बीजाओने सुखी जोइने बळे छे ते दुखी रहेछे.

(५) जे काम तमने सोंपवामां आवे, ते प्रमाणिकपणे करो.

(६) जे तमारा उपर भरोसो राखे, तेमने कदी दगो दो नहि.

(७) कोइने नठारुं ना कहो, (कारणके) नठारी वात तीरनी पेठे पेसी जाय छे.

(८) नठारा माणसोनी सोबत भूल करीने पण करशो नहि, एमां नुकशान छे.

(९) नठारा माणस पोताना भाइबंधने दगो दे छे, एथी करीने तेमना उपर कोइ वखत भरोसो करशो नहि.

(१०) सारूं काम करवामां वार करशो नहि, कोण जाणे फरी तमे तेने करी शको अगर न करी शको.

पाठ ३. साधारण उपदेश=सामान्य बोध.

बुरे=नठारा	पछताओगे=पस्ताशो. [नथी
अच्छेका=सारानुं	नहिपतियाता=विश्वास करतुं
वही=तेज	पढेलिखेका=भणेलागणेलानो
वैरी=शत्रु	किसीका=कोइनुं
वडोंका=मोटाओनुं	आदर=सत्कार
इसीमे=एमांज	सबसे=बधानी साथे
होगा=थशे	कडवी=दुख लागे तेवी

(१) नठारां कामोनुं फळ नठारुं छे अने सारानुं सारुं.

(२) मित्र तेज छे जे वखत उपर काम आवे.

(३) शत्रु सारी सारी वातो पण करे, तो पण तेनो विश्वास करवो नहि.

(४) मोटाओनुं कह्युं मानो, एमांज तमारु भलुं थशे.

(५) वगर विचारे कोइ काम करशो नहि, नहि तो पस्ताशो.

(६) जूठुं ना बोलो, (कारण के) जूठानो विश्वास कोइ करतुं नथी.

(७) भणेला गणेलानो सघळी जगाए सत्कार थाय छे, मूर्खनो कोइ सत्कार करतुं नथी.

(८) बधानी भलाइमां रहो, नठारुं कोइनुं पण विचारशो नहि.

(९) मूआ पछी पाप ने पुण्य वगर कशुं साथे जतुं नथी.

(१०) बधानी साथे सारी वात बोलो; कडवी--दुःख लागे तेवी वात कोइनी साथे कहेशो नहि.

पाठ ४. साधारण उपदेश=सामान्य बोध.

उन्होंने=तेमणे	अंत=छेवट
कितने=केटलुं	समझ बूझकर=समजीने
उठायेहैं=वेठयां छे	गालियाँ=गाळो
बढकर=वधारे	कोसों=घणा गाउ
बिना समजे बूजे=समज्या वगर	धूपमें=तापमां
कह डालनेमें=कही देवामां	तुरंतही=तरतज
सोच विचारलो=विचारीलो	सुस्ताकर=आराम लइने

पैर=पग | क्योंकि=केमके
देख भालकर=जोइने | औरोंका=बीजाओनो

(१) मा बापनी सेवा करो: तेमणे तमारे माटे केटलुं दुःख वेठयुं छे. तेओथी वधारे तमारुं भलु इच्छवावाळुं कोइ नथी.

(२) समज्या वगर कोइ वात मोढेथी काढशो नहि. जे मनमां आवे ते वगर विचारे कही देवामां कोइ कोइ वखत मोटुं नुकसान थाय छे.

(३) ज्यारे तमे कोइ कामने करवा इच्छो त्यारे सारी रीते विचारीलो के एनुं छेवट शुं थशे. पोतानुं नुकसान (अने) नफो समजीने ते काममां हाथ घालो.

(४) गाळ अथवा कोइ नठारी वात भूलीने पण मोढेथी न काढो, (कारण के) गाळो देवी (ए) नठारा छोकराओनुं काम छे.

सारा छोकरा एवी वातोथी घणा गाउ वेगळे जाय छे.

(५) तापमां बहार जशो नहि, बहारथी आवीने तरतज पाणी पीशो नहि. थोडीवार आराम लइने, ज्यारे ठंडा पडो, त्यारे पोतानी तरस चोख्खा पाणीथी शांत करो.

(६) रस्तामां जोइने चालो; एवुं न होवुं जोइए के ठोकर खाइने पडी जाओ, अथवा कांटां वागे अथवा कोइ जीव जंतु पग तळे दबाइ जवाथी करडी खाय.

(७) पोतानी लडाइमां दुःख वगर कांइ पण सुख नथी, केमके एमां आपणुं पण मन दिलगीर थाय छे अने बीजाओनो पण जीव बगडे छे.

पाठ ५. सफाइ=चोकखाइ.

उनको=तेओने
आलसियाँकी=आळसु माणसोनी
मैले कुचैले=मेलां, गंदा.
दरिद्र=दळदर, गरिबाइ
पसिना=परसेवो
सताने लगता है=सताववा लागे छे
आलसि=आळसु
घिनातेहैं=धिक्कारे छे
होही जाताहै=थइज जायछे
पहिना करो=पहेर्या करो

(१) जे छोकरा स्वच्छ रहे छे तेओने सर्व कोइ प्यार करे छे.

(२) गंदा छोकराओने सघळा धिक्कारे छे.

(३) शरीर मेलुं रहेवाथी परसेवो नीकळतो बंध थइ जायछे.

(४) परसेवो बंध थवाथी जो बीजो कोइ रोग न थाय तो माणस आळसु तो थइज जाय छे.

(५) आळसु माणसोनी बुद्धि पण मंद थइ जाय छे अने तेओने दरिद्र (गरिबाइ) सतावबा लागे छे. एटला माटे छोकराओ ! तमारे पोतानुं शरीर चोक्खुं राखवुं जोइए अने स्वच्छ लूगडां पहेर्यां करवां.

पाठ ६. सवेरे उठनेके लाभ=मळस्के उठवाथी लाभ.

सवेरे=मळस्के	जिसने=जेणे
कियाजाताहै=करवामां आवेछे	वैसा=तेवुं, ते प्रमाणे
सोते=सूइ	सुस्ती=आळसाइ
उठतेही=उठतांज	बना ईहैं=बनावी छे
जी=जीव, ध्यान, मन	कम=ओछुं
बढ़तीहै=वधे छे	बानडाले=टेव पाडवी.

(१) छोकराओ ! मळस्के उठो अने उठतांज भगवाननुं नाम लो. जेणे तमारा सुखने माटे घणी वस्तुओ बनावी छे.

(२) मळस्के--सवारमां उठीने जे काम करवामां आवे छे तेमां घणो जीव परोवाय छे.

(३) भणतुं जेवुं सवारमां थाय छे तेवुं बीजी वखत थइ शकतुं नथी.

(४) मळस्के उठीने जे याद करवामां आवे छे ते घणुं जल्दी याद थाय छे अने ओछुं भूलाय छे.

(५) मळस्के उठवाथी बुद्धि वधे छे, अने शरीरमां रोग थतो नथी.

(६) सूरज उग्या पछी सूइ रहेवाथी आळसाइ आवे छे.

(७) एटला माटे छोकराओए मळस्के उठवानी टेव पाडवी जोइए.

पाठ ७. साफ पानी=स्वच्छ पाणी.

जहाँतक=ज्यांसुधी	औटानेसे=उकाळवाथी, गरम करवाथी
पेंदीमें=तळीयामां	छनकार=गळाइने
बीमारियाँ=रोगो, व्याधि, दुःखो.	तिपाई=त्रण पायानी घोडी.
कंकड=कांकरा, बालू=रेती.	गलीहुई=ओगळेला

(१) ज्यां सुधी बनी शके (त्यांसुधी) चोक्खुं पाणी पीवुं जोईए.

(२) चोक्खुं पाणी पीवाथी रोग ओछा थाय छे.

(३) पाणी गरम करवाथी-उकाळवाथी चोक्खुं थइ जायछे.

(४) एक त्रण पायानी घोडी उपर चार घडा तळे उपर राखीने, उपरना त्रण घडाना तळीयामां काणां पाडीने एकमां कोयला, बीजामां कांकरा अने त्रीजामां रेती, भरवामां आवे तो जे पाणी आ त्रणे घडामांथी गळाईने नीचेना घडामां भराशे, ते घणुंज चोक्खुं थशे.

(५) वरसादनुं पाणी पण चोक्खुं होय छे, पण पडतां पडतां तेमां केटलीक वस्तुओ मळी जाय छे.

(६) ओगळेला बरफनुं पाणी पण घणुं चोक्खुं होय छे.

पाठ ८. हँसी ठट्ठा=मश्करी.

वैरका=वेरनुं	लोग=लोक
कियाकरो=करो	किसीसे=कोइनी साथे
इसीमें=एमांज	तुमसे=तमारी साथे
इसलिये=एटला माटे	बड़ाइ करेंगे=वखाण करशे.
उसे=तेने	

(१) मश्करी करवी (ए) वेरनुं मूळ छे, एटला माटे मश्करी कोइनी न करो.

(२) कोइ तमारी मश्करी करे अथवा तमारी साथे वेर करे तो तमे तेने मनमां लावशो नहि.

(३) एमांज तमारूं भलुं थशे अने बधा लोक तमारां वखाण करशे.

(४) जे माणस नठाराने बदले सारूं करेछे ते उत्तम गणायछे.

(५) जे नठाराने बदले नठारुं करे छे ते मध्यम छे; अने जे साराने बदले नठारूं करे छे ते नीच कहेवाय छे.

पाठ ९. बुराईका फल=नठारानुं फळ.

कुत्तांने=कुतराओए
घबड़ाकर=घभराइने
उसको=तेने
पीछाकिया=केडो लीधो
उस=ते
उसे=तेने
पेड़की=झाडना
पत्तियाँ=पांदडां
अपने=पोतानुं
आड़में=ओथामां
चरलीं=चरी लीधां
ऐसीही=एवीज
होगई=संताइ गइ
आड़=ओथो
दुर्गत=नठारी दशा

(१) एक वखत शिकारी कुतराओए एक बकरीनो केडो लीधो

(२) बकरी नासी जइने एक गाममां एक बागमां झाडना ओथामां संताइ गइ अने तेथी कुतराओ तेने जोइ शक्या नहि.

(३) थोडीवार पछी बकरीए भूखथी गभराइने ते झाडना पांदडां चरी लीधां.

(४) पांदडांनो ओथो न रहेवाथी कुतराओए तेने जोइ लीधी

(५) बधा तेना उपर टूटी पडया अने तेने मारी नाखी.

(६) साचुं छे, जे पोतानुं भलु करवावाळानी साथे भुंडुं करे छे तेनी एवीज नठारी दशा थाय छे.

पाठ १०. बरगदका पेड़=वडनुं झाड.

अनोखा=विचित्र
भीतर=अंदर
जडे=मूळीआं
बहुतसी=घणीज
धँसकर=धसीने
पेड़=झाड
जटायें=मूळीओ
जमजातीहै=चोटी जाय छे
भडोंचमें=भरूचमां
इतना=एवडुं

(१) वड आ देशमां एक विचित्र झाड छे.

(२) एनी डाळीओमांथी घणीज मूळीयो नीचे लटके छे.

(३) ज्यारे तेओ जमीन सुधी पहोंची जाय छे त्यारे अंदर धसीने चोंटी जाय छे, अने मूळीआं बनी जाय छे.

(४) वडनुं झाड घणुं मोटुं अने छायावाळुं होय छे.

(५) बधाथी मोटुं वडनुं झाड नर्मदा नदीना कांठाउपर भरुचमां छे.

(६) ते एवडुं मोटुं छे के हजारो माणसो तेनी छायामां सुखे रही शके छे.

पाठ ११. प्यासा कौवा=तरस्यो कागडो.

मूहँ=मोढुं	डालकर=घालीने
कहाँकि=कयांथीके	लालाकर=लावीलावीने
डालीं=नांख्या	अच्छीतरहसे=सारी रीते
कईबार=केटलीक वखत	बुझाई=शांतकरी
कंकडी=कांकरा	प्यास=तरस
गिरतीथी=पडता हता	अकारथ=नकामी

(१) एक कागडो तरसने लीधे उडतो उडतो पाणीना घडानी पासे गयो.

(२) घडानुं मोढुं नानुं हतुं अने पाणी तेमां थोडुं हतुं.

(३) कागडाए केटलीक वखत चांच घालीने पाणी पीवानुं इच्छयुं.

(४) पण तेनी चांच एवडी मोटी क्यांथी के पाणी सुधी पहोंची शके.

(५) छेवटे कागडाए ते घडामां कांकरा लावी लावीने नांख्यां.

(६) जेम जेम कांकरा पडता हता (तेम तेम) पाणी उपर चढी आवतुं हतुं.

(७) थोडीज वारमां पाणी घडाना म्हों सुधी पहोंची गयुं

(८) अने कागडाए सारी रीते पोतानी तरस शांत करी

(९) साचुं छे (के) महेनत नकामी जती नथी.

पाठ १२. आलस या सुस्ती=आळस अथवा सुस्ती.

आलसी=आळसु	पिंड=केडो
बहता=वहेतुं	काई=छील
यही=एवीज	फटकने देता=फरकवा देतो
जीनातक=जीवन, जीवतर	घेर लेता है=घेरी ले छे
बँधा=बंधाइ	गम जाती है=वाझी जाय छे
कामकाजी=उद्योगी, महेनतु	बैरी=शत्रु.

(१) आळसु माणसनुं पोतानुं जीवन पण भारे थइ पडे छे,

(२) थोडाज दिवसोमां ते कशा कामनो रहेतो नथी.

(३) महेनत नहि करवाथी शरीरने जात जातना रोग लागु पडी जाय छे.

(४) दुःख आळसु माणसनो छेवटना वखत सुधी (मरण सुधी) केडो छोडतुं नथी.

(५) आळसु माणसने दळदर घेरी ले छे.

(६) जे पाणी वहेतुं रहे छे ते चोख्खुं रहे छे.

(७) अने जे पाणी बंधाइ रहे छे ते मेलुं थइ जाय छे अने तेनी उपर लील बाझी जाय छे.

(८) एवीज दशा उद्योगी अने आळसु माणसनी जाणो.

(९) एटला माटे उद्योगी माणस आळसने पोतानो शत्रु समजीने पोतानी पासे फरकवा देतो नथी.

पाठ १३. लडके और मेंढके=छोकरां अने देडकां.

तालमें=तळावमां, कांसमां	जीमें=मनमां
घवडाये=गभरायां	किसीका=कोइनुं
गिडगिड़ा=काकावाला	ऐसे खेल=एवी रमत
उनके=तेमना	बरसाने लगे=फेंकवा लाग्या
सिर=माथुं	पाँव=पग
जबाब=जवाब	न खेलें=न रमवी

(१) एक तळावमां देडकां रहेतां हतां तेनां कांठा उपर केटलांक छोकरां रमतां हतां.

(२) तेमना मनमां जे आव्युं तो तळावमां धडोधड पथरा फेंकवा लाग्या.

(३) बिचारां देडकां गभरायां; कोइनुं माथुं फुटयुं अने कोइना हाथ पग भांग्या.

(४) एक देडकाए पाणीनी बहार माथुं काढीने छोकराओने काळावाला करीने कह्युं.

(५) "तमे अमारा उपर दया करो अने पथरा फेंकशो नहि"

(६) एक छोकराए जवाब दीधो "अमे तमारा माटे अमारी रमत छोडी दइए".

(७) देडकाए कह्युं "तमारा आ खेलथी अमारां माथां फूटे छे, अने अमे मरीए छीए".

(८) छोकराओए इच्छवुं जोइए के एवी रमत न रमवी (के) जेथी बीजाओने दुःख थाय.

पाठ १४. बुरा लड़का=नठारो छोकरो.

वडोंका=वडीलोनुं
ठीक समयपर=वखतसर
साथीयोंको=सोबतीओने
पढ़नेसे=भणवामां
बहाना=बहानुं

छेडता है=खीजवे छे
जी चुराता है=जीव चोरेछे
गलियोंमें=गलियोमां, शेरीओमां
पढता=भणता
सोचता=विचारता.

(१) नठारो छोकरो ते छे जे पोताना वडिलोनुं कह्युं मानतो नथी अने भणवामां जीव चोरे छे. (भणवामां लक्ष आपतो नथी).

(२) पाठशाळाना नियमो उपर ध्यान आपतो नथी अने वखतसर निशाळमां जतो नथी.

(३) पाठशाळामां जवानुं बहानुं काढीने शेरीओमां रम्याकुत्था करे छे; जूठी वातो जोडी कहाडे छे; पोताना भाइबंधोने खीजवे छे; पोते भणतो नथी अने बीजाओने भणवा देतो नथी.

(४) ज्यारे गुरुजी भणावे छे त्यारे ध्यान आपतो नथी, मनमां विचारतो नथी के लखवा वांचवाथी अमारां माबाप अने गुरुजी राजी थशे.

(५) जे छोकराओ पोतानुं भलुं इच्छे छे तेमणे आ सघळी वातो छोडवी अने वडिलोनुं कह्युं मानवुं जोइए.

पाठ १५. भाईयोंमें मेल (१)=भाइओमां संप (१).

क्योंकि=केमके	संतान=छोकरां
बहुतही=घणुंज	बड़ाई होती है=प्रसंशा थाय छे.
हो जाते हैं=थइ जाय छे	

ऐसाही=एवुंज	वर्ताव=वर्तन
पिया है=पीधुं छे	आपसमें=एक बीजामां
देखागयाहै=जोवामां आव्युं छे	इस तरह पर=आ प्रमाणे

(१) भाइ भाइमां घणुंज थोडुं अंतर छे, केमके तेओ एकज मावापनां छोकरां छे.

(२) अने तेमणे एकज मानुं दूध पीधुं छे.

(३) एथी करीने भाइ भाइनुं एक बीजामां लडवुं घणुंज खराव छे.

(४) जे भाइ एक बीजानी साथे संप राखे छे तेओनी प्रसंशा थाय छे.

(५) एथी करीने भाइओए एक बीजा साथे घणा प्यारथी रहेवुं जोइए.

(६) जे ए प्रमाणे करे छे तेओनां मावाप राजी रहे छे.

(७) कोइ कोइ वखत जोवामां आव्युं छे के स्वभाव मळतो नहि आववाना कारणे भाइओ जुदा थइ जाय छे.

(८) भाइओ जो एक बीजाथी जुदा पण थइ जाय तो पण तेओए एक बीजाने मदद कर्या करवी जोइए.

(९) एवी रीते एक बीजामां संप राखवाथी मोटां मोटां काम पण सहजमां थइ जाय छे.

(१०) पाडोशियो अने मित्रोनी साथे पण एवुंज वर्तन करवुं जोइए.

---

(२)

कई=केटलाक	हो जाओगे=थइ जशो
जाँच=अजमायश	अंटी=आंटी
मिले जुले=हळीमळीने	अलग=जुदो
सूतकी=सूतरनी	पहुँचा=पहोंचाडी
तार=तांतणो	

(१) एक माणसने केटलाक छोकरा हता. तेओ रोज अंदर अंदर लडता हता.

(२) तेओना बाप तेओने घणुं घणुं समजावता हता, पण तेओ मानता नहोता.

(३) एक दिवस बापे पोताना सघळा छोकराओने एकठा कर्या अने तेओने एक सूतरनी आंटी आपीने कह्युं के आना उपर पोताना बळनी अजमायश करो.

(४) दरेक छोकराए तेने तोडवानुं इच्छयुं, पण ते कोइथी न तूटी.

(५) त्यारे बापे कह्युं 'एक एक तांतणो जुदो करीने तोडो.'

(६) आ सांभळतांज तेओए तेने तोडीने फेंका दीधी.

(७) डोसाए कह्युं "एज प्रमाणे जो तमे एक बीजा साथे

हळी मळाने रहेशो तो तमारुं कोइ कांइ करी शकशेनहि."

(८) अने जो जुदा थइ जशो तो जे चाहशे (ते) तमने नुकशान पहोंचाडी शकशे.

पाठ १६. लालचसे हानि (१)=लालचथी नुकशान (१).

बडा=घणो	सोचा=विचार्युं
फाड डालूँ=फाडी नांखु	ठानकर=नक्की करी
उस=ते	हानि=नुकशान
अंडा=इंडुं	मुर्गीका=मरघीनुं
एकही=एकीज	उसने=तेणे
भी=पण	

(१) एक माणस घणो लालचु हतो. तेनी पासे एक मरघी हती.

(२) ते रोज एक सोनानुं इंडु आप्या करती हती.

(३) ते लालचुए एक दिवस विचार्युं,

(४) हुं आ मरघीनुं पेट फाडी नांखुं तो बधा इंडां मने एकीज वारे मळी जाय.

(५) एवुं मनमां नक्की करी तेणे ते विचारी मरघीने मारी नांखी; पण इंडु एक पण हाथ न आव्युं.

(६) साचुं छे, घणी लालचथी नुकशान थाय छे.

(२)

मुँहमें=मोंमां	परिछाई=पडछायो
छीनलूं=छीनवी लउं	खोला=पहोळुं कर्युं
बह गया=वहा गयो	लालचियोंकी=लालचुओनी
लिये=लइने	दबाये=दबावीने
सोच=विचार	गिरकर=पडीने
पछताकर=पस्ताइने	यही=आवीज

(१) एक कुतरो मोंमां रोटलो लइने नदीने सामे कांठे जतो हतो.

(२) पाणीमां तेणे पोतानो पडछायो जोयो.

(३) कुतरो एवुं समज्यो के बीजो कुतरो मोंमां रोटलो दबावी जाय छे.

(४) तेना मनमां लालच समाइ अने तेणे इच्छयुं के हुं तेनी पासेथी रोटलो छीनवी लउं.

(५) एवो विचार करी रोटलो छीनवी लेवाने जेवुं म्होडुं पहोळुं कर्युं तेवोज जे रोटलानो ककडो तेना मोढामां हतो ते पण नदीमां पडीने वही गयो.

(६) त्यारे कुतरो पस्ताइने कहेवा लाग्यो " हाय हाय ! लालचुओनी आवीज दशा थाय छे."

पाठ १७. विद्या सिखना=विद्या भणवी.

खेल कूदमें=रमवा कूदवामां
चाहेंगे=चाहशे
दौलत=पूंजी
अकारथ=नकामो
बड़े होनेपर=मोटा थया पछी
किसीके=कोइना.
जिससे=जेथी.
सब जगह=बधी जगाए.
जीते=जीवतां.
अंतमें=छेवटे, आखर वखते
आदर होगा=सत्कार थशे.
कबतक=क्यांसुधी.
बन पडेगा=बनी शकशे.

(१) छोकराओ! रमवा कूदवामां मन लगाडो नहि. रमवामां वखत नकामो जाय छे.

(२) पोतानो वखत लखवा भणवामां लगाडो जेथी तमने छेवटे सुख मळे.

(३) जो तमे एवुं करशो तो तमारां मावाप पण तमने चाहशे अने मोटां थया पछी बधी जगाए तमारो सत्कार थशे.

(४) पोताना मावापनी पूंजी उपर भूलशो नहि (आधार राखशो नहि.)

(५) हमेशां कोइना मावाप जीवतां नथी रहेतां; एकने एक दिवसे मरीज जाय छे.

(६) पछी तेमनी दोलत क्यां सुधी रहेशे.

(७) ज्यारे माबाप पण रहेशे नहि अने तेओनी दोलत पण रहेशे नहि त्यारे तमे पस्ताशो.

(८) पछी तमाराथी कांइपण बनी शकशे नहि. एटला माटे छोकराओ विद्या भणवामां मन लगाडो.

पाठ १८. विद्याकी बडाई=विद्यानी मोटाइ.

सबकुछ=बधुं.	उसीके=तेनाज.
आपसमें=अरस्परस.	छीन=लइ.
उतना=तेटलुं.	घटही=घटीज.
असबाबको=मिल्कतने.	वहां=त्यांज.
बाँट लेते हैं=वहेंची ले छे.	पाओ=पामो.
जितना=जेटलुं.	वह=ते.
चुरा=चोरी.	बढतीही=वधतीज.
कितनाही=केटलुंक;गमेतेटलुं.	बुढापेमें=घरडपणमां.

(१) विद्यानी बराबर कोइ धन नथी. जेनी पासे विद्या छे तेनी पासे बधुं छे.

(२) जुओ माल मिल्कतने चोर चोरी लइ जाय छे, पण एने चोर पण चोरी शकता नथी.

(३) राजा कोइने शिक्षा आपवा इच्छे छे तो तेनुं धन लइ ले छे, पण विद्याने ते पण लइ शकतो नथी.

(४) भाइ भांडु ज्यारे जुदा थाय छे त्यारे घरनी बधी माळ मिलकत अरस्परस वहेंची ले छे, पण विद्यामां कोइ-नो भाग वहेंचवानो होतो नथी.

(५) गमे तेटलुं धन कोइनी पासे केम न होय, (होय तो पण) आपवाथी घटीज जाय छे अने छेवटे कांइ र-हेतुं नथी.

(६) पण विद्यामां बधाथी मोटा गुण ए छे के आपवाथी वधतीज जाय छे.

(७) राजाओमां पण जेटलुं विद्वाननुं मान होय छे (तेटलुं) धनवाननुं नथी होतुं.

(८) राजानो सत्कार तेनाज राजमां होय छे; पण विद्वान ज्यां जाय छे त्यांज तेनो सत्कार थाय छे.

(९) छोकराओ! एटला माटे तमारे जीव लगाडीने विद्या शीखवी जोइए जेथी जुवानी अने घरडपणमां सुख पामो.

पाठ १९. कौवा और लोमडी=कागडो अने लोंकडी.

कहांसे=कहांथी.	पर=पांखो.
ओर=तरफ.	काँव काव=का का.
सुनानेको=संभळाववाने.	इतनेमें=एटलामां.
उठा लायो=उपाडी लाव्यो.	इस=आ.

खोलतेही=उघाडतांज.	होकर=थइने.
उधर=ते तरफ.	जानपडताहै=जणाय छे.
सुहावना=शोभीतुं.	ले लम्बी हूई=लइ चालती थइ.
गिरगई=पडी गइ.	

(१) एक कागडो एक दिवस रोटलानो ककडो कहींथी उपाडी लाव्यो अने झाड उपर बेशीने खातो हतो.

(२) एटलामां एक लोंकडी ते तरफ थइने नीकळी.

(३) लोंकडीए कागडानी तरफ जोइने कह्युं के तमारी पांखो घणी सुंदर छे.

(४) अने तमारूं रूप आ वखते घणुं शोभितुं जणाय छे.

(५) जो कांइ तमारी बोली पण सारी होत अने तमे गाइ शकत तो तमारी बराबर कोइ पक्षी न होत (थइ शकत नहि.)

(६) आ सांभळीने कागडो घणो राजी थयो अने पोतानुं गायन संभळाववाने का का करवा लाग्यो.

(७) मों उघाडतांज रोटलो पडी गयो अने लोंकडी तेने लइ चालती थइ.

(८) जे जूठी मोटाइ इच्छे छे तेमनी एवीज दशा थाय छे.

पाठ २०. खेती बडा धन है=खेती मोटुं धन छे.

किसी=कोइ.	जी=जीव.
बुलाया=बोलाव्या.	सारा खेत=बधुं खेतर.
बडी गहराई=वधारे उंडाई.	पाया=मेळव्युं.
किसानके=खेडुतना.	नही लगातेथे=राखता नहोता
गडा है=दाट्युं छे.	उन्होने=तेओए.
बो दिया=वावी दीधुं.	चाट पडगई=रस पडी गयो.
खिलाडी=रमतीआळ.	खुदा ही था=खोदयुंज हतुं.
बाँट लेना=वेंहची लेजो.	चाट=स्वाद.
समयपर=वखतसर.	उठाता है=मेळवे छे.

(१) कोइ खेडुतना छोकरा घणा रमतीआळ हता अने खेतीना काममां जीव राखता नहोता.

(२) ज्यारे ते मरवा पड्यो त्यारे तेणे पोताना छोकराओने पोतानी पासे बोलाव्या अने कह्युं "मारूं धन मारा खेतरमां दाट्युं छे. मारा मरी गया पछी तमे तेने खोदीने पोतपोतामां वेंहची लेजो."

(३) ज्यारे खेडुत मरी गयो (त्यारे) तेना छोकराओए धननी लालचथी बधुं खेतर वधारे उंडाई सुधी खोदी नाख्युं, पण धन कांइ पण हाथ न आव्युं.

(४) त्यारे निराश थइ तेओए ते खेतरने वावी दीधुं.

(५) खेतर तो खोदायुंज हतुं (पण) पाणी पण वखतसर वरस्युं, खेती सारी थइ अने एज धन छोकराओए खेतरमांथी मेळव्युं.

(६) पछी तो तेआने खेतीनो रस पडी गयो. अने दर साल घणाज रुपीआ कमाक्वा लाग्या.

(७) जे महेनत करे छे तेज लाभ मेळवे छे.

पाठ २१. शहदकी मक्खी और बर्र=मधमाखी अने साखादेड.

शहद--की=मध--नी	बर्र=साखादेड
इतना=एटलुं	तुम्हें=तमने
उनको=तेओने	इकठा=एकठुं
मक्खी=माख	क्यों=केम
मुझको=मने	उजाडते हैं=बाळे छे
डंक=डंख.	न सतायेंगे=सतावशे नहि

(१) एक साखादेडीए एक दिवस मधमाखीने पुछ्युं.

(२) " लोक तमने केम आटलु चाहे छे अने मने केम नथी चाहता ? तमने पाळे छे अने मने मारे छे.

(३) तमारे माटे घर बनावे छे अने मारा घरने देवता लगाडीने बाळे छे " मधमाखीए कह्युं.

(४) "तमाराथी तेओने कशो पण लाभ थतो नथी, तमे केवळ डंख मारो छो.

(५) एवी दशामां तेओ तमने केम चहाय.

(६) अने जुओ हुं आखो दिवस महेनत करीने तेओने माटे मध एकठुं करूं छुं.

(७) मारी पेठे तमे पण तेओनी साथे भलाइ करो.

(८) तो तेओ पण तमारी साथे भलाइ करशे.

(९) तमे तेओनी साथे बुराइ करवी छोडी दो तो तेओ पण तमने सतावशे नहि."

पाठ २२. झूठ बोलना=जूठुं बोलवुं.

बोलनेवालेका=बोलनारनो
लोग=लोक
छिपाने के=संताडवाने
अनादर=तिरस्कार
सोच=विचार
दंड=शिक्षा
कभी=कदी
खूल न जाय=उघाडुं न पडी जाय
इससे=एनाथी
बोलोगे=बोलशो
प्यारे=व्हाला
पाओगे=पामशो

(१) जूठुं बोलनारनो सघळी जग्याए तिरस्कार थायछे.

(२) जूठो माणस कदी साचुं पण बोले छे तो तेना साचने पण सघळा लोको जूठुंज समजे छे.

(३) रात दिवस तेने एज विचार थया करे छे के कदी मारुं जूठ उघाडुं न पडी जाय.

(४) फरी तेने एक जूठ संताडवाने माटे सेंकडो बीजी जूठी वातो बनाववी पडे छे.

(५) जुठाने शिक्षा न थाय तो पण तेनी निंदा तो थाय छेज.

(६) एनाथी बचवाने माटे जूठुं कदी बोलवुं न जोइए.

(७) जो तमे साचुं बोलशो तो सघळाना वहला बनी रहेशो अने सघळा तमारो विश्वास करशे.

(८) साचुं बोलवाथी तमे जगतमां मोटाइ पामशो.

(९) एटला माटे छोकराओ ! तमारे हमेशां साचुं बोलवुं जोइए अने जुठनुं नाम पण न लेवुं.

पाठ २३. रंग=रंग.

एकनएक=जुदी जातना
लोहूका=लोहीनो
हरियाली=लीलोतरी
लोहेका=लोढानो
ओर=तरफ
जान पडती है=जणाय छे
नीला=भूरो

इसीलिये=आनेज लीधे
बैंजनी=रींगणाना जेवो
हरा=लीलो
बहु तायतसे=वधारे
बरस जानेके पीछे=वरसी रह्या पछी.

(१) जेटली वस्तु जोवामां आवे छे (ते) सर्वना जुदी जुदी जातना रंग होय छे.

(२) सोनानो रंग पीळो छे, चांदीनो धोळो, लोढानो काळो, आकाशनो भूरो, घासनो लीलो अने लोहीनो लाल.

(३) लाल रंग आंखोने घणुं नुकशान पहोंचाडे छे.

(४) लीला रंगनी तरफ गमे तेटली वार सुधी जुओ (पण) आंखो थाकती नथी.

(५) आनेज लीधे भगवाने लीला रंगनी वस्तु वधारे बनावी छे.

(६) जुओ वरसाद वरस्यापछी लीलोतरी केवी सुंदर जणायछे

(७) भुरो अने पीळो रंग एकठो थवाथी लीलो रंग बनेछे.

(८) भुरो अने लाल रंग एकठो थवाथी रींगणाना जेवो रंग बने छे.

पाठ २४. हाथीकी बुद्धिमानी=हाथीनी बुद्धि.

सीधा=सीध्या	आदत=टेव
जैसी=जेवी	वहाँसे=त्यांथी
चुपचाप=छानोमानो	उधरसे=ते तरफथी
खिडकी=बारी	हंसीसे=मश्करीथी

राह=रस्ते
तालमें=तळावमां
चुभादी=घोची दीधी
कीचडहोकीचड=कादवजकादव

सूँढ डालता=सुंढ घालतो
सूई=सोय
सी रहेथे=शीवी रह्यो हतो.

(१) कहेछे के दिल्हीमां एक दुकानमां दरजी लुगडां सीव्या करतो हतो.

(२) ते दुकानमां एक बारी हती.

(३) ते तरफथी एक हाथी तळावमां पाणी पीवा दररोज जतो हतो.

(४) हाथी ते बारीमां पोतानी सुंढ घालतो हतो अने दरजी तेने रोटी आपी देतो हतो.

(५) एक दिवस ते हाथीए, जेवी तेने टेव पाडी हती, (ते प्रमाणे) पोतानी सुंढ बारीमां घाली. (ते वखते) ए दरजीए मश्करीथी रोटी आपवाने बदले तेनी सुंढमां सोय घोची दीधी.

(६) ते वखत तो हाथी कांइ पण न बोल्यो, छानोमानो तळावे चाल्यो गयो.

(७) त्यांथी मेलुं पाणी पोतानी सुंढमां भरी लाव्यो अने बारीने रस्ते दुकानमां नांखी दीधुं.

(८) दुकानमां कादवज कादव थइ गयो अने बधां लुगडां जे दरजी सीवी रह्यो हतो (ते) बगडी गयां.

पाठ २५. समयपर खाना=वखतसर खावुं.

ठीकसमयपर=बराबर वखतसर	बीमार=मांदो
वैसेही=तेज प्रमाणे	कई वार=वधारे वार
उटकर=अकरांतीउं	एकही समयपर=एकज वखते
खाना=खोराक	बहुतसा=घणुंज

(१) छोकराओए बराबर वखतसर खोराक खावो जोइए.

(२) एकज वखते हमेशां खावाथी भोजन सारी रीते पचे छे.

(३) भूख वगर खावाथी अन्न पचतुं नथी.

(४) भूखथी ओछुं अथवा वधारे खावुं बन्नेथी शरीर रोगी थइ जाय छे.

(५) जेम थोडुं खावाथी माणस दुबळो थइ जाय छे, तेज प्रमाणे वधारे खावाथी मांदो पडी जाय छे.

(६) खातां खातां घणुंज पाणी पीवाथी भूख ओछी थइ जाय छे.

(७) एटला माटे खाधा पछी पाणी पीवु सारूं छे.

(८) एकवार अकरांतीउं खावा करतां वधारे वार थोडुं थोडुं खावुं सारूं छे.

पाठ २६. ईश्वरके उपकार=ईश्वरनो उपकार.

कैसे=केवा	पहिचाण=ओळखाण
दम=श्वास	हमारेही=अमारेज
पैर=पग	हमें=अमने
धूप=तडको	बचनेसे=बचवाथी
लगता है=लागे छे	

(१) जुओ भगवाने अमारा उपर केवा उपकार कर्या छे.

(२) तेणे हवा, माटी, पाणी, तडको, अमारेज माटे बनाव्यां छे.

(३) माटी वगर अन्न नीपजतुंज नथी.

(४) हवा नहि होवाथी श्वास घुंटवा लागे छे.

(५) पाणी वगर कोइ जीवी शकतुं नथी.

(६) ताप वगर अनाज अने फळ पाकतांज नथी.

(७) तेणे अमने बोलवाने मोढुं, सुंघवाने नाक, सांभळवाने कान, काम करवाने हाथ अने चालवाने पग आप्या छे.

(८) तेणे अमने बुद्धि आपी छे तेथी अमे सारूं खोटुं ओळखी शकीए छीए.

(९) जेणे अमारा उपर आ उपकार कर्या छे, तेने राजी राखवो (ए) अमारो मुख्य धर्म छे.

(૧૦) ભલાઇ કરવાથી અને બુરાઇથી બચવાથી તે રાજી થાયછે.

(૧૧) ભગવાને અમારા ઉપર ભલાઇ કરી છે; (માટે) અમારે ઇચ્છવું જોઇએ કે અમારે પણ બીજાઓની સાથે ભલાઇ કરવી જોઇએ.

પાઠ ૨૭. માબાપકા પ્યાર=માબાપનું હેત.

કુઢાતે હૈં=કઢાપો કરાવે છે	આયુ=આયુષ્ય
નરમીસે=નમ્રતાથી	દુલાર=પ્યાર
ચાલચલન=વર્તન	ભી=પણ
ઇસી સોચમેં=આજ દુઃખમાં	બચ્ચોંહીમેં=છોકરાઓમાંજ
બર્તાવ=વર્તન	તરફદારી=તરફેણ
જડ સમઝ=મૂળ સમજી	સા=જોવો

(૧) જ્યારે છોકરા નઠારા નીકળે છે અને માબાપને કઢાપો કરાવે છે ત્યારે તેઓને ઘણું દુઃખ થાય છે.

(૨) આજ દુઃખમાં કદી કદી તેઓનું આયુષ્ય પણ ઓછું થઇ જાય છે.

(૩) છોકરાઓ સારા નીકળે છે અને માબાપને રાજી રાખે છે તો તેઓનું બધું દુઃખ વેગળું જતું રહે છે.

(૪) માબાપનો જીવ છોકરાઓમાંજ લાગેલો રહે છે.

(૫) જ્યારે તેઓને દુઃખ થાય છે ત્યારે માબાપ પણ દુઃખી થાય છે.

(६) अने ज्यारे तेओ सुखी रहे छे त्यारे मावाप पण सुख पामे छे.

(७) वापना हेतथी मानुं हेत वधारे होय छे.

(८) मारो वाप पोताना छोकराओनी साथे नम्रताथी वर्तन करे छे.

(९) तेओ तेमना उपर बहु प्यार करता नथी (तेमज) तरफेण पण करता नथी.

(१०) तेओ पहेलां पोतानुं वर्तन सुधारे छे, अने साचवटने बधी भलाइनुं मूळ समजी पोतानां छोकरांने साचाइना रस्तापर चढावे छे.

(११) छोकराओने पण पोतानाज जेवो स्वभाव शीखवे छे.

पाठ २८. अच्छी संतान=सारां छोकरां.

कंगाल=गरीब	आ गये=आवी गया
जाया करते थे=जता हता	यही=आज
देखकर=जोइने	सुशील=विवेकी, शान्त
पांच=पांच	आर=तरफ

(१) एक गरीब स्त्रीने पांच छोकरा हता.

(२) तेओ घणा विवेकी हता अने रोज निशाळमां भणवा जता हता.

(३) एक दिवस कोइए तेने पूछ्युं "तारी पासे शुं धनछे?"
(४) ते स्त्रीए कह्युं " मारी पासे पांच रत्न छे. "
(५) तेणे पुछ्युं " क्यां छे. "
(६) एटलामांज तेना छोकरा निशाळमांथी आवी गया.
(७) ते स्त्रीए छोकरांओनी तरफ जोइने कह्युं. " आज मारां रत्न छे. "
(८) साचुं छे, सारां छोकरां रत्नथी उतरतां होतां नथी.

पाठ २९. छोहारेका पेड=खारेकनुं झाड.

सिरेपर=माथा उपर
पंद्रह=पंदर
पीसकर=दळीने
पत्तियाँ=पांदडां
रूचिसे=खुशीथी
बूकनी=भूको
तरह=माफक
धूपमें=तापमां
घोलकर=घोळीने
फैल=फेलाइ
सुखाकर=सुकवीने
गुठली=ठळीआ
गुच्छे=झुमरवा
इनको=आने
भेडोंको=घेटांने

(१) खारेकनुं झाड सीधुं पचास साठ हाथ सुधी लांबुं चाल्युं जाय छे.

(२) तेना माथा उपर लांबा लांबा पांदडां छत्रीनी माफक फेलाइ जाय छे.

(३) एनुं फळ मीठुं अने लाल रंगनुं होय छे.

(४) झाडना माथा उपर फळनां पंदर वीस झुमखां लटके छे.

(५) एक एक गुच्छो दस दस शेर सुधी तोलमां उतरे छे.

(६) एना फळने अरबस्तानना लोको घणी खुशीथी खाय छे.

(७) फळोने तापमां सुकवीने राखे छे.

(८) सुकायलां फळ घणा दिवस सुधी रहे छे.

(९) आने दळीने तेओ भूको बनावी ले छे.

(१०) अने ज्यारे कहीं बहार जाय छे (त्यारे) पोतानी साथे लइ जाय छे.

(११) तेने पाणीमां घोळीने पोते पीए छे.

(१२) अने पोताना घोडाओ तथा कुतराओने पाय छे.

(१३) ठळीआ दळीने पोतानां उंटो अने घेटांने आपे छे-खवरावे छे.

पाठ ३०. पहाड=पर्वत.

मिट्टी=माटी
चोटियाँ=शिखरो
शर्दी=सरदी
झरने=झरणो
ढकी=ढंकायला
जिनमेंसें=जेमनामांथी

निकास=नीकळवुं	इन्हीसे=एमांथी
आलय=ठेकाणुं	इसीसे=एमांथी
वहां=त्यां	हमको=अमने

(१) पहाड माटी अने पत्थरथी बनेलो छे.
(२) पहाडोमांथी कंइ कंइ पाणीना झरणो नीकळ्यां छे.
(३) नदीओनुं नीकळवुं पण एमांथी होय छे.
(४) पहाडोमां हिमालय बधाथी उंचो होय छे.
(५) एटला माटे (तेने) पर्वतोनो राजा कहेवामां आवे छे.
(६) आ पर्वत हिंदुस्ताननी उत्तरमां छे.
(७) एना शिखरो बरफथी ढंकायलां रहे छे.
(८) एटला माटे एनुं नाम हिमालय(हिम=बरफ अने आलय=ठेकाणुं) पडयुं. गंगाजी एमांथी निकळयां छे.
(९) पर्वतोपर उंचाइना कारणे शरदी बहु होय छे.
(१०) कंइ कंइ एवा पण पर्वत छे के, जेमनामांथी देवता नीकळया करे छे.
(११) एवा पहाडोने ज्वालामुखी कहे छे.
(१२) पंजाबना कांगडा जील्लामां पण एक ज्वालामुखी पर्वत छे.
(१३) त्यां ज्वालादेवीनुं मंदिर छे.

(१४) वरसादना दिवसोमां पहाडो उपर घणी शोभा होयछे.

(१५) पर्वतोथी घणा लाभ छे.

(१६) पहाडोमांथी अमने पत्थर, धातु अने लाकडां मळेछे.

पाठ ३१. सूरज और तारे=सूरज अने तारा.

पूरवकी ओर=पूर्व तरफ

उजाला=अजवाळुं

सुहावनी=शोभायमान

निकलतेही=उगतांज

वही=तेज

रसीली=रसवाळी

सारी धरती पर=बधी पृथ्वी उपर.

नाज=अनाज

चमकसे=प्रकाशथी

अँधेरेका=अंधारानुं

किरनें=किरणो

इनमेंसे=आमांथी

(१) जुओ पूर्व तरफ सूरजना उगतांज रातनो दिवस थइ गयो.

(२) बधी पृथ्वीपर अंधारानुं अजवाळुं थइ गयुं.

(३) सूरजज आपणने गरमी आपे छे.

(४) तेज आपणा खेतरमां अनाज अने बागमां फळोने पकवे छे.

(५) सवारमां सूरजनां किरणो केवां शोभायमान लागे छे.

(६) सूरजना नीकळवाना वखते आकाश केवुं सुंदर लागेछे
(७) पक्षीओनी जूदी जूदी जातनी बोली केवी रसीली लागे छे.
(८) सुरजना प्रकाशथी दिवसे तारा संताइ जाय छे (देखाता नथी).
(९) तेज तारा अंधारी राते केवा सुंदर लागे छे.
(१०) छेटेथी तारा पासे पासेज देखाय छे.
(११) पण तेओ एक बीजाथी घणा छेटे छे.
(१२) कोइ कोइ आमांथी रातदिवस घूम्या करेछे (फरेछे).
(१३) कोइ जगाएथी एकज वखते त्रण हजारथी वधारे तारा कोइ जोइ शकतुं नथी.

पाठ ३२. सूरज और हवाका झगडा= सूरज अने हवानी तकरार.

झगडा=तकरार
बटोही=वटेमार्गु
पसीनेमें=परसेवामां
जाँच के लिये=तपासमां, परिक्षा माटे
बली=बळवान
भीग=पलळी
ठहरा=तकरार
वेग बढता गया=जोर वधतुं गयुं
छायादार=छायडांवाळुं

(૧) एक वखत सूरज अने हवा वच्चे ए वातनी तकरार थइ के बन्नेमां कोण बळवान छे.

(२) एनी परीक्षा माटे एक बीजामां ए ठर्युं के जे कोइ वटेमार्गुना लूगडां उतरावे ते घणो बळवान गणाय.

(३) एक दिवस एक माणस रस्तामां कपडां पहेरीने चाल्यो जतो हतो.

(४) पवन जोरथी वावा लाग्यो, पण जेम जेम हवानुं जोर वधतुं गयुं तेम तेम ते पोताना शरीर उपर कपडां विंटाळतो गयो.

(५) हवानुं कांइ पण जोर चाल्युं नहि.

(६) एनी पछी सूरजे पोतानो ताप फेलाव्यो.

(७) सूरजनी गरमीथी ते मूसाफर पळळी गयो.

(८) अने तेणे लूगडां उतारीने नांखी दीधां अने छांयडांवाळा झाडनी नीचे बेसी गयो.

(९) हवाए हार मानीने सूरजने पोतानाथी वधारे बळवान जाण्यो.

पाठ ३३. सॉप=साप.

कई=जात जातना, विविध	ओस=झाकळ
खोखलोंमें=बखोळामां	इनमें=एमां

जाडेमें=झाडमां	थैलियाँ=कोथळीयो
भाग=नाशी जवुं	विष=झेर
पुराने=जुनां	दहकते हुये=सळगतो
बिलोमे=दरोमां	उनी=उनना
जडमें=मूळमां	तीक्ष्ण=झेरी
सडहरो=खंडेरो	जलादे=बाळीनांखे
घुसे=संताइने	केंचुली=कांचळी

(१) साप विविध रंगना होय छे. एमां काळो साप घणो भयंकर होय छे.

(२) साप घणुं करीने जुनां मकानोनां खंडेरो अने जुनां झाडोनी बखोलोमां रहे छे.

(३) झाडमां तेओ दरोमां संताइने बेसी रहे छे (तेओ) तापमां झाकळ चाटवा अने हवा खावाने नीकळेछे.

(४) वरसादमां दरोमां पाणी भराइ जवाना कारणे (तेओ) बहार नीकळी आवे छे.

(५) अने घास तथा झाडीओमां रहेवा लागे छे.

(६) सापने पग होता नथी पण तेओ जल्दीथी नाशी शके.छे.

(७) एनी जीभ वच्चमांथी चीरायली होय छे.

(८) एना ताळवामां बे दांत छे.

(९) अने ए दांतना मूळमां नानी नानी कोथळीओ होयछे.

(१०) जेमां झेर भरायलुं रहे छे. काळा सापनुं झेर घणुं होय छे.

(११) तेना करडेला थोडा बचे छे. सौथी सारा उपाय आ छे के ज्यां साप करडे ते(जगा)ने सळगता कोयलाथी बाळी नांखवी अथवा कापीने त्यांनुं लोही काढी नांखवुं.

(१२) उननां अने रेशमी लूगडांमां एनी कांचळी राखवाथी जीवडां लागतां नथा.

पाठ ३४. मछलियाँ=माछलीओ.

अंडोंसे=इंडांमांथी	नापा गया है=मापवामां आव्युं छे
इन्हीं=आज	छेद=काणां
सहारेसे=मददथी	परों=पांखो
तडप तडप=तफडी तफडी	तककी=सुधीनी
गलफडा=फेफसां	वत्तियां=मीणबत्तीओ
देखनेमें=जोवामां	फेफरा=फेफसां
साँस=श्वास	
पैर=पग	

(१) माछलीओ इंडामांथी पेदा थाय छे अने पाणीमां रहेछे.

(२) तेओ पाणीमांथी नीकळतांज तफडी तफडीने मरी जाय छे.

(३) एमना गळामां श्वास लेवाने माटे काणा होय छे.

(४) आज कांणाने फेफसां कहे छे.

(५) माछलीओने कान नथी होता पण तेओ सांभळी शकेछे.

(६) तेमने पग नथी होता पण तेओ पाणीमां पांखो अने पूंछडीनी मदद्थी चाले छे.

(७) एक जातनी माछलीनुं नाम व्हेल छे.

(८) ते संसारना सर्व जीवडांथी मोटी होय छे.

(९) तेनी लंबाइ आशरेथी पचास हाथ अने मोटाइ पण एटलीज होय छे.

(१०) पूंछडीनी लंबाइ आठ हाथ सुधी जोवामां आवी छे.

(११) तेनुं मोडुं चौद हाथ सुधी मापवामां आव्युं छे.

(१२) व्हेल तोलमां चार हजार मण सुधीनी आंकवामां आवीछे.

(१३) तेमां चरबी घणी होय छे, अने आनेज लीधे तेनो शिकार करवामां आवे छे.

(१४) चरबीनी मीणबत्तिओ बने छे. व्हेल इंडा आपती नथी.

(१५) बच्चु जणे छे, अने तेने दुध पीवाडे छे.

(१६) तेने श्वास लेवाने माटे परमेश्वरे फेफसां आप्यां छे.

(१७) एथी करीने पाणीथी बहार माथुं कहाडीने श्वास लेछे.

(१८) एने समुद्रमां रहेवाने कारणे माछली कहे छे.

पाठ ३५. कुत्तेकी स्वामी भक्ति=कुतरानी स्वामि भक्ति.

महाजनका=शाहुकारका	भेंट=मेळाप
बहुतेरा=घणुंए	कुछभी=कंइपण
कागज=कागळ	बारबार=वारंवार
देना=देवुं	लौट आया=पाछो आव्यो
भौंकता रहा=भस्या कर्युं	संतुष्ट=राजी
चुका दिया=वाळी आप्युं	खुरचने=खोतरवा
ऋण=देवुं	गडे हैं=दटाया छे
गाडथा=दाटयो हतो	

(१) कोइने एक शाहुकारनुं घणुं देवुं थइ गयुं हतुं.

(२) तेनी पासे देवुं चुकववाने कंइ पण नहतुं.

(३) पण तेनी पासे एक कुतरो हतो.

(४) शाहुकार तेनेज लेवाने माटे राजी थइ गयो.

(५) तेणे कुतरो शाहुकारने सोंपी दीधो.

(६) केटलाक दिवस वीत्या पछी ते महाजनना घरमां चोर पेठा अने तेनो घणो माल उठावीने लइ गया.

(७) कुतराए घणुंए भस्या कर्युं, पण कोइनी आंख उघडी नहि.

(८) चोरोने जोइने कुतरो तेओनी पाछळ पडयो.

(९) अने ज्यां चोरोए माल दाटयो हतो ते जग्याने जोइने पाछो आव्यो.

(१०) ज्यारे धणी जाग्यो, (त्यारे) कुतरो ते खेतरनी तरफ वारंवार जवा अने आववा लाग्यो.

(११) एक वखत मालीक तेनी पाछळ पाछळ गयो.

(१२) कुतरो खेतरमां जइने जे जग्याए माल दाटयो हतो त्यां पंजाथी माटी खोतरवा लाग्यो, अने शाहुकारने तेनुं धन बतावी दीधुं.

(१३) शाहुकार कुतराथी घणो राजी थयो.

(१४) तेणे एक कागळ उपर आवुं लख्युं के 'तमारा कुतराए तमारूं सघळुं देवुं वाळी आप्युं' (ए प्रमाणे लखीने) कुतराना गळामां (ते) बांध्यो, अने तेना पहेला मालीकनी पासे मोकली दीधो.

(१५) रस्तामां मालीक अने कुतरानो मेळाप थइ गयो.

(१६) मालीक एवुं समज्यो के कुतरो शाहुकारने त्यांथी नाशी आव्यो छे.

(१७) (तेथी) तेने त्यांज तलवारथी मारी नांख्यो.

(१८) कुतराना मरी गया पछी तेणे ते कागळ तेना गळामां जोयो.

(१९) पछी तो ते पोताने संभाळी शक्यो नहि अने तेणे त्यां पोतानो पण प्राण आपी दीधो.

(२०) बंने एकज जगाए दटाया छे.

पाठ ३६. सोना=सोनुं.

खानसे=खाणमांथी
आँचसे=तापथी
फूँककर=खाख करीने
चमकीला=चळकतुं
धनी लोग=पैसादार लोक
दाम=कींमत

सोनार=सोनी
गहने=घरेणां
पत्र=पतरां
सुहागे=खडीयो खार
खींचा जाता=खेंचाय छे
आफ्रिकाके=आफ्रिकाना

(१) सोनुं खाणमांथी नीकळे छे, अने ते घणुं भारे अने चळकतुं होय छे.
(२) देवता उपर घणुं गरम करवाथी ओगळी जाय छे.
(३) सोनी सोनाने खडीया खारनी साथे गरम करे छे.
(४) आथी सोनुं थोडाज तापथी ओगळी जाय छे.
(५) पैसादार लोक एनां सारां सारां घरेणां बनाववरावे छे.
(६) एना तार पण खेंचाय छे अने पतरां पण बनाववामां आवे छे.
(७) सोनानां पतरां दवाओमां काम आवे छे.
(८) वैद्य सोनानी खाख करीने दवाओ बनावे छे.
(९) आनी बहु किंमत थाय छे.
(१०) विलायतमां सोनाना सिक्कानुं चलण छे.
(११) आपणा देशमां पण एनी महोर बने छे.

(१२) सोनुं अमेरिका अने आफ्रिकाना पश्चिम [illegible]मां बहु मळे छे.

(१३) कोइ कोइ नदीओनी रेतामां पण सोनुं मळे छे.

(१४) पण तेने कहाडवामां खर्च बहु लागे छे.

पाठ ३७. चाँदी=चांदी.

मोल ले सकते=खरीदी शकता	अठन्नी=आठआनी, अर्धो
दुअन्नी=बे आनी	बरतन=वासण
सोहागे=खडीओखार	पाइजाती है=मळे छे
काँसेके=कांसानां	चवन्नी=चारआनी, पावली
मालदार=पैसादार	फूँकी=खाख
गलती है=ओगळे छे.	बहु तायतसे=वधारे

(१) चांदी पण सोनानी पेठे खाणमांथी नीकळे छे.

(२) पण ते सोनानी बराबर भारे होती नथी अने रंगमां धोळी होय छे.

(३) एनां पण घरेणां बनाववामां आवे छे.

(४) जे सोनुं खरीदी शकता नथी तेओ चांदीनां घरेणां बनावरावे छे.

(५) जेओने चांदी पण मळी शकती नथी तेओ कांसानां पहेरे छे.

(६) हिंदुस्तानमां चांदीना रूपिया, अर्धा, पावली, अने बेआनी बने छे.

(७) पैसावाळा माणस खावाने माटे चांदीनां वासण पण बनावरावे छे.

(८) चांदीना तार पण खेंचवामां आवे छे अने एनां पतरां पण बनाववामां आवे छे.

(९) चांदीनी पण खाख करवामां आवे छे अने (ते) दवामां काम आवे छे.

(१०) चांदी खडीआ खारनी साथे जलदी ओगळे छे.

(११) चांदी थोडी के वधारे सघळी जगाए मळे छे, पण अमेरिकामां वधारे मळे छे.

पाठ ३८. लोहा=लोढुं.

आँच=ताप	उडीसा=ओढीआ
जितना=जेटलुं	कुलहाडी=कुहाडी
जान पडेगा=समजाशे	कंगाल=गरीब
इंगलिस्तान=इंगलांड	कुमाऊँमें=कमाउंमां
उतना=तेटलुं	फावडा=पावडा
धनि=धनवान	सबहीको=सर्वने

(१) लोढुं पण खाणमांथी नीकळे छे अने माटी अने पत्थरमां मळेलुं रहे छे.

(२) लोढाने ताप दइने चोक्खुं करे छे, लोढुं इंग्लंडमां घणु मळे छे.

(३) हिंदुस्तानमां पण वर्दवान, ओढीआ अने कुमाउंमां एनी खाणो छे.

(४) लोढाथी जेटलुं काम थाय छे, तेटलुं कोइ बीजी धातुथी थतुं नथी.

(५) लोढानी कलमो, चप्पु, कुहाडी, पावडा अने हथियार बने छे.

(६) विचार करीने जुओ तो समजाशे के लोढुं न होयतो आपणां घणां काम बंध पडी जय.

(७) जे देशमां लोढानो उपयोग नथी ते देशमां उन्नति थती नथी.

(८) लोढानुं काम धनवान अने गरिब सर्वने पडे छे.

(९) एटला माटे लोढुं सघळी धातुओमां मुख्य गणाय छे.

पाठ ३९. मोर=मोर.

बादलों=वादळो	सुहावना=शोभायमान
उभरी=फूलेली	कलँगी=कलगी
हरियाली=लीलोतरी	लहलहाती=सुशोभित

जान पडता है=जणाय छे
परोंमें=पांखोमां
टहलता=फरतो
पूँछ=पूंछडी
तारेही तारे=ताराज तारा
गूँजने लगा=गाजी उठयुं
फूला=फूल
घमंड=अभिमान
गाँवों=गामो

(१) जुओ वादळोनी गरजना सांभळीने मोर सामेना खेतरमां नाचवा मंड्यो छे, केवो शोभायमान जणाय छे.
(२) पूंछडी केवी गोळ फेलावी दीधी छे.
(३) जाणे (के) सूरजमूखीनुं फूल खाल्युं छे.
(४) गर्दन फूलेली छे, माथा उपर कलगी छे, पांखोमां ताराज तारा जड्या छे.
(५) तेने पोतानी सुंदरतानुं घणुं अभिमान छे.
(६) तेनो जीव चहाय छे के सुंदर–शोभायमान जंगल हो, जमीन उपर लीलोतरी सुशोभित हो अने हुं धीरे धीरे फरतो रहुं.
(७) ज्यारे जीव चहाय (त्यारे) एक बे वार बोली उठ्यो, घणा दूर सुधी जंगल गाजी उठयुं.
(८) मोर देवळो अने गामोनी पासे रहे छे.
(९) सांजे (अने) सवारे खुल्लां मेदानो अने खेतरोमां घूम्या करे छे; राते झाडो उपर आराम ले छे.
(१०) रजवाडामां एओने मारवा देता नथी.
(११) एओनी पूंछडी अने पांखोनुं मोरछल बने छे.

पाठ ४०. आम=केरी.

लगे हैं=उग्यां छे	रुचता है=भावे छे.
तोतोंके=पोपटनां	कब=क्यां
फुरसे=फरर करता	ढेर=ढगलो
घने=खीचोखीच	बौर=मोर
आ गिरे=आवी पड्यां	कूकी=टहुकी
बुढा=डोसो	पात पात=पांदडे पांदडे
रखवा=रखवाळी	खटका=अवाज
कुतर कुतर=कोतरी कोतरी	सिधारी=जती रही

(१) सामे केवो सुंदर बाग छे. आंबानां झाड उग्यां छे.

(२) केवां खीचोखीच छे जेवी काळी घटा छाइ होय.

(३) रखवाळो आंबानी रखवाळी करी रह्या छे, पण खीसकोलीओ क्यां छोडे छे.

(४) डाळीए डाळीए (अने) पांदडे पांदडे फरे छे.

(५) ल्यो पोपटनां टोळे टोळां आवी पड्यां.

(६) (तेमणे) केरी कोतरी कोतराने ढगलो बनावी दीधो.

(७) अवाज थतांज सघळा फरर करता उडी गया.

(८) केरी एक वरस सारी आवे छे, बीजी साल ओछी.

कोइ कोइ एक साल फळे छे.

(९) बीजी साल तेओमां फळ आवतां नथी.

(१०) अने कोइ कोइने बारे मास फळो आवे छे.

(११) गमे तो डोसो होय के जुवान (पण) केरी बधाने भावे छे.

(१२) केरी अने कोयलनी सोबत छे. झाड उपर मोर आंव्यो अने कोयल टहुकी.

(१३) केरी थइ रही अने ते बीजा देशोमां जती रही.

(१४) केरी घणी जातनी होय छे. जेमके, मुंबाइ, माल्दा, लंगडा, टिकारी, मोहनभोग अने देशी.

हिन्दी व्याकरण संबंधी केटलीक जरूर पुरती माहिती.

हिन्दीमां गुजरातीनी माफक आठ विभक्तिओ छे अने तेने कारक कहे छे.

कारक अथवा विभक्ति.

कर्त्ता (पहेली)	अपादान (पांचमी)
कर्म (बीजी)	सम्बन्ध (छठ्ठी)
करण (त्रीजी)	अधिकरण (सातमी)
सम्प्रदान (चोथी)	सम्बोधन (आठमी)

विभक्त.	कारक.	गुजराती प्रत्यय.	हिन्दी प्रत्यय.
१ ली	कर्त्ता (कर्त्ता अर्थे)	मूल रूपे रहे छे.	मूळरूप अथवा ने
२ जी	कर्म (कर्म अर्थे)	ने	को
३ जी	करण (साधन)	ए	से
४ थी	सम्प्रदान (दान)	ने माटे, ने वास्ते	को, के लिये
५ मी	अपादान-वियोग	थी, थकी.	से
६ ठी	सम्बन्ध (संबंध)	नो, नी, नुं, नां, ने	का, की, के
७ मी	अधिकरण-स्थान	मां, ए.	मे, पै, पर
संबोधन	संबोधन (कोइने) बोलाववामां वपराय छे.	प्रत्यय नथी पण गुजरातीनी माफक शब्दनी आगळ के पाछळ हो, रे, अरे, हे मूकवामां आवे छे.	

विभक्तिओना संबंधथी थतां नामनां रुपाख्यान.

अकरान्त पुल्लिंग. बालक शब्द.

		एकवचन.	बहुवचन.
१	कर्त्ता	बालक, बालकने	बालक, बालकोंने
		बाळक, बाळके	बाळको, बाळकोए
२	कर्म	बालकको	बालकोंको
		बाळकने	बाळकोने
३	करण	बाळकसे	बाळकोंसे
		बाळके	बाळकोए
४	सम्प्रदान	बालकको, बालकके लिये	बालकोंको, बालकोंके लिये

बाळकने, बाळकने माटे, बाळकोने, बाळकोनेमाटे
५ अपादान बालकसे (बाळकथी) बालकोंसे (बाळकोथी)
६ सम्बन्ध बालकका -की--के बालकोंका--की--के
बाळकनो--नी -नां बाळकोनो--नी--नां
७ अधिकरण बालकमें- पै--पर बालकोंमें--पै--पर
बाळकमां--पर--उपर बाळकोमां, बाळकोपर-उपर
८ सम्बोधन हे बालक(हे बाळक) हे बालकों (हे बाळको)

अकरान्त स्त्रीलिंग चील (समळी) शब्द.

	एकवचन.	बहुवचन.
१ कर्ता	चील (समळी)	चीलें (समळीओ)
२ कर्म	चीलको (समळीनें)	चीलोंको (समळीओने)

बाकीनां रुप "बालक" शब्दनां रुप प्रमाणे बने छे.

आकारान्त पुल्लिंग. लडका शब्द.

	एकवचन.	बहुवचन.
१ कर्ता	लडका, लडकेने	लडके, लडकोंने
	छोकरो, छोकराए	छोकराओ, छोकराओए
२ कर्म	लडकेको (छोकराने)	लडकोंको (छोकराओने)
३ करण	लडकेसे (छोकराए)	लडकोंसे (छोकराओए)
४ संप्रदान	लडकेको, लडकेकेलिये	लडकोंको, लडकोंके लिये
	(छोकराने, छोकराने माटे)	छोकराओने, छोकराओनेमाटे)
५ अपादान	-लडकेसे छोकराथी)	लडकोंसे (छोकराओथी)

६	संबंध	लडकेका--की--के (छोकरानो--नी--नां)	लडकोंका--की--के (छोकराओनो--नी--नां)
७	अधिकरण	--लडकेमें--पै--पर (छोकरामां--पर--उपर)	लडकोंमें--पै--पर छोकराओमां--पर--उपर
८	संबोधन	--हे लडके (हे छोकरा)	हे लडकों (हे छोकराओ)

अकारान्त स्त्रीलिंग ' गैया ' शब्द.

	ए. व.	ब. व.
१ कर्ता	गैया, गैयाने (गाय, गाये)	गैया, गैयाओने (गायो, गायोए)
२ कर्म	-गैयाको (गायने)	गैयाओंको (गायोने)

बाकीना रुप लडका शब्द प्रमाणे करवा.

ह्रस्व इकारान्त पुल्लिंग " हरि " शब्द.

	एकवचन.	बहुवचन.
१	हरि, हरिने	हरि, हरियोंने
२	हरिको	हरियों को
३	हरिसे	हरियोंसे
४	हरिको-के लिये	हरियोंको, हरियोंके लिये
५	हरिसे	हरियोंसे
६	हरिका-की-के	हरियोंका-की-के
७	हरिमे-पै-पर	हरियोमे पै-पर
८	हे हरि	हे हरियों

ह्रस्व इकरान्त स्त्रीलिंग 'बुद्धि' शब्द.

एकवचन.	बहुवचन.
१ बुद्धि, बुद्धिने	बुद्धियां, बुद्धियांने
२ बुद्धिको	बुद्धियांको

बाकीनां रूप "हरि" शब्द प्रमाणे थाय छे.

१ माली, मालीने	माली, मालीयोंने
२ मालीको	मालीयांको
३ मालीसे	मालियोंसे
४ मालिको-के लिये	मालियांको-के लिये.
५ मालिसे	मालियोंसे
६ कालिका-की-के	मालियोंका को-के
७ मालिसे-पै-पर	मालियोंमे-पै-पर
८ हे मालि	हे मालियो

दीर्घ ईकारान्त स्त्रीलिंग "घोडी" शब्दनां रूप पण उपर प्रमाणे थाय छे, परंतु पहेली विभक्तिना बहुवचनमां "घोडि-यां" रूप थाय छे बांकीनां रूप "मालि" प्रमाणे.

ह्रस्व उकारान्त पुल्लिंग "साधु" शब्द.

एकवचन.	बहुवचन.
१ साधु, साधुने	साधु, साधुओने
२ साधुको	साधुओंको

बाकीनां रूप एकवचनमां "साधु" अने बहुवचनमां 'साधुओं' ने अनुक्रमे प्रत्ययो लगाडवाथी थाय छे.

ह्रस्व उकारान्त स्त्रीलिंग "धेनु" शब्दनां रूप साधु शब्द प्रमाणे करवां.

दीर्घ उकारान्त पुल्लिंग 'भालू' (रींछ) शब्द.

	ए.	व.
१	भालू, भालूने	भालू, भालूओंने
२	भालूको	भालूओंको
३	भालूसे	भालूओंसे
४	भालूको-के लिये	भालूओंको-के-लिये
५	भालूसे	भालूओंसे
६	भालूका-की-के	भालूओंका-की-के
७	भालूमें	भालूओंमें
८	हे भालू	हे भालूओं

दीर्घ ऊकारान्त स्त्रीलिंग "झाडू" (कचरो) शब्दोनां रूप उपर प्रमाणेज थाय छे.

एकरान्त पुल्लिंग 'पांडे' (पंडयो) शब्द.

१	पांडे, पांडेने	पांडे, पांडेओंने
२	पांडेको	पांडेओंको
३	पांडेसे	पांडेओंसे

बाकीना रूप एकवचनमां "पांडे" अने बहुवचनमां "पांडेओं" ने प्रत्ययो लगाडवाथी थाय छे.

ओकारान्त पुल्लिंग "कोदो" (सामो नामनुं अनाज).

ए. व.	शब्द.	ब. व.
१ कोदो, कोदोने		कोदो, कोदोओंने
२ कोदोको		कोदोओंको
३ कोदोसे		कोदोओंसे

बाकीना रूप (एकवचनमां कोदो अने बहुवचनमां "कोदोओं" ने प्रत्ययो लगाडवाथी थाय छ.

सर्वनाम.

हिन्दी भाषामां सर्वनाममां नर ने नारी जातिना एकज रूप रहे छे.

पुरूषवाचक सर्वनाम अने तेनां विभक्तिनां रूप.

गुजराती			हिन्दी		
पुरूष	एकवचन	बहुवचन	पुरूष	एकवचन	बहुवचन
१ लो पु.	हुं	अमे, आपणे	उत्तम पुरूष	मैं	हम, आप
२ जो पु.	तुं	तमे, आप	मध्यम पुरूष	तू	तुम, आप
३ जो पु.	ते	तेओ	अन्य पुरूष	वह	वे

उत्तम पुरूष मैं=पहेलो पुरूष "हुं" नां रूप.

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	मैं, मैने (हुं, में)	हम, हमने (अमे, अमोए, आपणे)
कर्म	मुझको, मुझे (मने)	हमको, हमें (अमने)

करण मुझसे, मैने (माराथी में) हमने, हमसे (अमे, अमोए)
संप्रदान मुझको, मुझे, मेरे लिये हमको, हमें, हमारे लिये
(मने, मारे माटे) (अमने, अमारे माटे)
अपादान मझसे (हुंथी, माराथी) हमसे (अमथी, अमाराथी)
संबंध मेरा-री-रे (मारो-री-रां) हमारा-री-रे (अमारो-री-रां)
अधिकरण मुझमें, मेरेमें (मारामां) हममें, हमारेमें (अमामां, अमारामां)
सर्वनामना संबोधनना रूपाख्यान थइ शकतां नथी.

मध्यम पुरुष तू=(बीजो पुरुष "तुं")

ए. व.	ब. व.
१ तू, तूने (तुं, तें)	तुम-तुमने (तमे, तमोए)
२ तुझको, तुझे (तने)	तुमको, तुम्हें (तमने)
३ तुझसे, तने (ताराथी, तें)	तुमने, तुमसे (तमे, तमोए, तमारे)
४ तुझको, तुझे, तेरे लिये (तने, तारे माटे)	तुमको, तुम्हे, तुम्हारे लिये (तमने, तमारा माटे)
५ तुझसे (तुंथी, ताराथी)	तुमसे (तमाराथी)
६ तेरा, तेरी, तेरे (तारो-री-रां)	तुम्हारा-री-रे (तमारो-री-रां)
७ तुझमें, तेरेमें (तुंमां, तारामां)	तुममें, तुम्हारेमें (तमारामां)

अन्य पुरुष "वह" (त्रीजो पुरुष 'ते')

एकवचन.	बहुवचन.
१ वह, उसने (ते, तेणे)	वे, उनने, उन्होने (तेओ, तेओए)

२ उसको, उसे (तेने) उनको, उन्हे उन्होंको (तेमने, तेओने)

३ उससे, उसने (तेथी,तेणे) उनसे,उन्होसे, उनने(तेओए, तेओथी,तेमणे)

४ उसको, उसे, उसके लिये उन्हांको,उनके लिये(तेओने, (तेने, तेने माटे) तेओने माटे)

५ उससे (तेथी) उनसे,उन्होंसे(तेओथो तेमनाथी)

६ उसका-की-के(तेनो नी-नां) उनका-की-के, उन्होंका-की-के (तेओनो नी-नां)

७ उसमें,उसपर (तेनामां-पर) उनमें,उन्होमें उनपर, उन्हों-पर (तेओमां-पर, तेमनामां)

दर्शक सर्वनाम.

यह (आ).

एकवचन.	बहुवचन.
१ यह,इसने(आ,आणे)	ये,इनने,इन्होंने(आ,आणे,आमणे)
२ इसको, इसे (आने)	इनको, इन्हें (आने, आमने)
३ इससे (आणे)	इनसे, इन्होंसे (आणे, आमणे)
४ इसको,इसे,इसके लिये (आने, आने माटे)	इनको, इनके लिये (आने,आमने माटे)
५ इससे (आथी)	इनसे, इन्होंसे (आथी, आमनाथी)

६ इसका-की-के(आनो-नी-नां) इनका-की-के(आमनो-नी-नां)
७ इसमें (आमां) इनमें, इन्होंमें (आमां, आमनामां)

सामान्य सर्वनाम—"कोइ" एकवचनमांज वपराय छे.

१ कोई, किसीने(कोइ, कोईए) ५ किसीसे (कोईथी)
२ किसीको (कोईने) ६ किसीका-की-के (कोइनो-नी-
३ किसीसे, किसीने (कोईए,कोईथी) नां)
४ किसीको किसीके लिये ७ किसीमें (कोईमां)
(कोईने, कोईने माटे)

प्रश्नार्थक सर्वनाम—कौन (कोण).

एकवचन. बहुवचन.

१ कौन, किसने (कोण, कोण) कौन, किनने (कोण, केणे)
२ किसको, किसे (कोने,केने) किनको, किन्हें
३ किससे, किसने (कोणथी,कोणे) किनसे [लिये
४ किसको, किसे, किसके लिये किनको, किन्हें, किनके
(कोने, केने, कोने माटे)
५ किससे (केनाथी, कोनाथी) किनसे
६ किसका-की-के (कोनो, किनका-की-के
केनो-नी-नां)
७ किसमें, किसपर (कोनामां, केनामां) किनमें, किनपर

टीप—कोण शब्दनुं गुजरातीमां बहुवचन थतुं नथी माटे बहुवचनमां गुजराती रुप लख्यां नथी.

आप (आप).

हिन्दीमां एकवचननां रुपमां वपराय छे, पण अर्थ बहु-वचननो बतावे छे. गुजरातीमां आप बहुवचनमां रहे छे.

१ आप, आपने (आप, आपे)	५ आपसे (आपथी)
२ आपको (आपने)	६ आपका-की-के(आपनो नी-नां)
३ आपसे, आपने (आपथी, आपे)	
४ आपको, आपके लिये (आपने, आपने सारुं)	७ आपमें (आपमां)

* आप (आपणे).

१ आप (आपणे)	५ अपनेसे (आपणाथी)
२ अपनेको (आपणने)	६ अपना-नी-ने(आपणो)-णी—णां)
३ अपने,अपनेसे(आपणे आपणथी)	
४ अपनेको, अपने लिये (आपणने, आपणे सारु)	७ अपनेमें (आपणामां)

जौन (जे).

एकवचन.	बहुवचन.
१ जो, जिसने (जे जेणे)	जा, जिनने (जे, जेणे,जेओए)
२ जिसे, जिसको (जेने)	जिन्हें,जिनको (जेने,जेओने)
३ जिससे,जिसने(जेथी,जेणे)	जिनने,जिनसे(जेमणे,जेनाथी)
४ जिसे,जिसको,जिसके लिये (जेने, जेने माटे)	जिनको, जिन्हें,जिनके लिये (जेमने, जेमने माटे)

---

* आप हिन्दीमां एकवचनमां वपराय छे, पण अर्थ बहू वचनो बतावे छे, अने गुजरातीमां ते बहुवचनमांज वपरायछे.

५ जिससे (जेथी) जिनसे (जेओथी)

६ जिसका-की-के जिनका-की-के
(जेनो-नी-नां) जिन्होंका-की-के } (जेओना-नी-नां)

७ जिसमें (जेमां) जिनमें (जेओमां)

"हो" धातुनां वर्तमानकाळनां रूप.

पुरुष	ए.	व.
१ उत्तम	मैं हुं (हुं छुं)	हम हैं (अमे छीए)
२ मध्यम	तू है (तुं छे)	तुम हो (तमे छो)
३ अन्य	वह है (ते छे)	वे हैं (तेओ छे)

हो धातु नरजाति भुतकाळनां रूप.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
१ उत्तम	मै था (हुं हतो)	हम थे (अमे हता)
२ मध्यम	तू था (तुं हतो)	तुम थे (तमे हता)
३ अन्य	वह था (ते हतो)	वे थे (तेओ हता)

हो धातु नारिजाति भूतकाळना रूप.

१ उत्तम	मै थी (हुं हती)	हम थी (अमे हती)
२ मध्यम	तू थी (तुं हती)	तुम थी (तमे हती)
३ अन्य	वह थी (ते हती)	वे थी (तेओ हता)

हो धातु भविष्यकाळ नरजातिनां रूप.

१ उत्तम मैं होउंगा
मैं हूंगा } हुं होईश हम होवेंगे
हम होंगे } (अमे होईशुं)

२ मध्यम तूं होवेगा } तुं होईश तुम होओंगे } (तमे हशो)
तुं होगा } तुम होंगे }

३ अन्य वह होवेंगा } (ते हशे) वो होवेगे } (तेओ हशे)
वह होगा } वे होगे }

हो धातु नारीजाति भविष्यकाळना रूप *

१ उत्तम मैं होऊंगी हम होंगी

२ मध्यम तू होगी तुम होंगी

३ अन्य वह होगी वे होगी

" पढ " धातु वर्तमानकाळ नरजातिना रूप.

पुरुष. एकवचन. वहुवचन.

१ उत्तम मैं पढताहु(हुं भणुं छुं)हम पढतेहैं(अमे भणीए छीए)

२ मध्यम तू पढता है (तुं भणे छे) तम पढते हों(तमे भणोछो)

३ अन्य वह पढता है(ते भणे छे)वे पढते हैं (तेओ भणे छे)

पढ धातु वर्तमानकाळ नारीजाति.

१ उत्तम मै पढता हुं (आगळना गुजराती प्रमाणे)हम पढत हैं (आगळना गुजराती प्रमाणे)

---

* १ गुजरातीमां कर्त्ता पुरुष अने स्त्री बन्ने माटे एकज रूप रहे छे.

२ हिन्दी भाषामां गुजरातीनी माफक नान्यतरजाति नथी.

२ मध्यम तु पढती है (,,) तुम पढती हो (,,)
३ अन्य वह पढती है (,,) वे पढती हैं (,,)

" पढ " धातु भुतकाळ नरजाति.

१ उत्तम मै पढताथा(हुंभणतोहतो)हमपढतेथे(अमेभणताहत
२ मध्यम तू पढताथा(तुंभणतोहतो)तुमपढतेथे(तमे भणताह
३ अन्यवह पढता था(तेभणतोहतो)वेपढतेथे(तेओ भणता ह

पढ धातु भुतकाळ नारिजाति.

१ उत्तममैंपढतीथी(हुंभणतीहती)हमपढतीथी (अमेभणती ह
२ मध्यमतुपढतीथी(तुंभणतीहती)तुमपढतीथी (तमेभणती ह
३ अन्यवहपढतीथी(तेभणतीहती)वेपढतीथी (तेओभणती ह

" पढ " धातु भविष्यकाळ नरजाति.

१ उत्तम मैं पढूंगा (हुं भणीश) हम पढेंगे (अमे भणी
२ मध्यम तू पढेगा (तुं भणीश) तुम पढोंगे (तमे भण
३ अन्य वह पढेगा (ते भणशे) वे पढेंगे (तेओ भणशे

पढ धातु भविष्यकाळ नारिजाति.

१ उत्तम मैं पढूंगी (गुजराती उपर प्रमाणे)हम पढेंगी (गुज
राती उपर प्रमाणे)
२ मध्यम तु पढेगी (,,) तुम पढोगी (,,)
३ अन्य वह पढेगी (,,) वे पढेंगी (,,)

સૂચના.

અમારે ત્યાંથી આ રાજ્યની શાળાઓમાં ચાલતાં ગુજરાતી, ઈંગ્રેજી વિગેરે તમામ પુસ્તકો તથા સ્ટેશનરી સામાન મળે છે. જથ્થાબંધ લેનારને સારૂં કમીશન આપવામાં આવશે. બહારગામના ઓર્ડરપર પુરતું ધ્યાન આપવામાં આવે છે.

અમારા તરફથી પ્રગટ થયેલાં પુસ્તકો.

		કિંમત. રૂ.આ.
૧.	ગુ. બીજા ધોરણની નોટ. (આ રાજ્યના નવા ધોરણ પ્રમાણે તમામ વિષયો સાથે). બીજી આવૃત્તિ.	૦—૩
૨.	ગુ. ત્રીજા ધોરણની નોટ.	૦—૫
૩.	ગુ. ચોથા ધોરણની નોટ.	૦—૭—૦
૪.	ગુ. પાંચમા ધોરણની નોટ.	૦—૮—૦
૫.	ગુ. છઠ્ઠા ” ” (છપાય છે.)	૦—૮—૦
૬.	હિન્દી પ્રાઈમર તથા શિક્ષાવળી ભાગ ૧ લાના અર્થ તરજુમાસહ (બીજી આવૃત્તિ)	૦—૩—૬
૭	હિન્દી શિક્ષાવળી ભાગ ૨ જાના અર્થ તરજુમાસહ.	૦—૪—૦
૮.	પ્રશ્નોત્તરરૂપે સૃષ્ટિજ્ઞાન ધો. ૧ લું.	૦—૧—૬
૯.	” ” ” ૨ જું. બીજી આવૃત્તિ.	૦—૧—૦
૧૦.	” ” ” ૩ જું. ”	૦—૨—૦
૧૧.	” ” ” ૪ થું. ”	૦—૨—૦
૧૨.	” ” ” ૫ મું. ”	૦—૨—૬
૧૩.	” ” ” ૬ ઠું. ”	૦—૨—૬

પત્રવ્યવહાર નીચેના સિરનામે કરવો:—

મણિલાલ મૂળજીભાઈ ઉપાધ્યાય.

બુકસેલર—પેટલાદ.